A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार, 04 अक्टूबर, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-37 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

भ्रष्टाचारियों की ढाल बनी केंद्र और राज्यों की सरकारें

योगेंद्र योगी

केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और राज्य सरकारों ने 212 मामलों में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को भ्रष्टाचार के दोषी पाए गए 543 अफसरों व कार्मिकों पर अभियोजन स्वीकृति लंबित है। भ्रष्टाचार को लेकर राजनीतिक दल बड़े-बड़े दावे करते हैं।

वादे हैं वादों क्या, भ्रष्टाचार को लेकर कुछ ऐसी ही हालत भारत की है। भ्रष्टाचार को लेकर राजनीतिक दल बड़े-बड़े दावे करते हैं। भाजपा गठबंधन ने लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्षी दलों के भ्रष्टाचार को प्रमुख मुद्दा बनाया था। इसी तरह विपक्षी दलों ने भी केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार को निशाने पर रखा था। सत्ता पक्ष और विपक्ष के भ्रष्टाचार पर एक-दूसरे पर जबरदस्त प्रहार के बावजूद यह मुद्दा सुरसा के मुंह की तरह लगातार फैलता ही जा रहा है। भ्रष्टाचार की इस गंगोत्री से कोई अछूता नहीं है। भ्रष्टाचार का जड़ से खात्मा करना तो दूर बल्कि सत्तातंत्र भ्रष्टाचारियों की ढाल बन कर खड़ा है। इसमें कोई भी राजनीतिक दल पीछे नहीं हैं। देश को खोखला करने वाले इस धीमे जहर को संरक्षण देने में केंद्र और राज्यों की सरकारों पीछे नहीं हैं। केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और राज्य सरकारों ने 212 मामलों में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को भ्रष्टाचार के दोषी पाए गए 543 अफसरों व कार्मिकों पर अभियोजन स्वीकृति लंबित है। सीबीआई के कामकाज पर निगरानी रखने वाले केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की रिपोर्ट के मुताबिक इनमें राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) की सरकारों में अभियोजन स्वीकृति के 41 मामले शामिल हैं जिनमें 149 अधिकारी भ्रष्टाचार के दोषी पाए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल भ्रष्टाचार की सबसे अधिक शिकायतें रेलवे कर्मचारियों के खिलाफ की गईं।

इसके बाद दिल्ली के स्थानीय निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के खिलाफ शिकायतें मिलीं। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में सभी श्रेणी के अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की कुल 74,203 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 66,373 का निपटारा कर दिया गया और 7,830 शिकायतें लंबित हैं। सीवीसी की रिपोर्ट के अनुसार केंद्र सरकार में वित्त मंत्रालय के विभिन्न विभागों में अभियोजन स्वीकृति के सबसे ज्यादा 75 मामले लंबित हैं जिनमें 197 भ्रष्ट अफसर-कार्मिक फंसें हैं। इनमें वित्तीय सेवा विभाग के 53 मामलों में मुकदमा चलाने की अनुमति लंबित है। वित्त मंत्रालय के बाद रक्षा, रेल, शिक्षा तथा कार्मिक मंत्रालयों में लंबित मामलों की संख्या अपेक्षाकृत ज्यादा है। राज्य सरकारों/केंद्रशासित प्रदेशों में भ्रष्टाचार के मामलों में सैकड़ों अफसरों के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति नहीं दी जा रही है। राज्यों/केंद्रशासित राज्यों में कुल 41 भ्रष्टाचार के मामलों 149 अधिकारी आरोपित हैं। इनमें महाराष्ट्र में 3 मामलों में 41 अधिकारी, उत्तर प्रदेश में 10 मामलों में 31, प.बंगाल में 4 मामलों 25, केंद्रशासित जम्मू-कश्मीर में 4 में 19, पंजाब में 4 में 6, मध्यप्रदेश में 1 भ्रष्टाचार के प्रकरण में एक अधिकारी शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक नियमों के अनुसार सीबीआइ से प्रस्ताव भेजे जाने के बाद अधिकतम तीन माह में अभियोजन स्वीकृति देने का प्रयास किया जाना चाहिए लेकिन लंबित मामलों में 249 अधिकारियों के खिलाफ 81 मामले तीन माह की अवधि से अधिक पुराने हैं।

सीवीसी की रिपोर्ट में उन मामलो का भी जिक्र किया है जिनमें जांच में दोषी पाए गए अफसरों के खिलाफ आयोग की सिफारिशों को भी दरकिनार कर दिया गया। इनमें विभिन्न मंत्रालयों और केंद्र सरकार के अधीन संस्थाएं (पीएसयू-बैंक आदि) शामिल हैं। सीवीसी केंद्रीय मंत्रालयों और पीएसयू-बैंकों में मुख्य सतर्कता अधिकारियों (सीवीओ) के जरिये भ्रष्टाचार व अनियमितताओं पर नजर रखता है। सीवीसी ने कहा है कि कुछ संगठन आयोग की सलाह पर अमल करने और आरोपी अधिकारी को चार्जशीट जारी करने में देरी करते हैं। इससे कई मामलों में दोषी अधिकारी सेवानिवृत्त हो जाता है और समय सीमा चूकने के कारण कोई भ्रष्ट अधिकारी पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाती। गौरतलब है कि सरकारी विभागों में विषबेल की तरह बढ़ते भ्रष्टाचार पर भारत विश्व में कलंकित हो रहा है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 के लिए भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में भारत 180 देशों में 93वें स्थान पर रहा। जबकि वर्ष 2022 में भारत की रैंक 85 वीं थी। अर्थात भारत में भ्रष्टाचार की रफ्तार थमी नहीं है। इसमें तेजी आई है। इस सूचकांक में भारत आठ पायदान आगे बढ़ गया। वर्ष 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण एशिया में पाकिस्तान (133) और श्रीलंका (115) अपने अपने कर्ज के बोझ तले दबे हैं और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि हालांकि दोनों देशों में मजबूत न्यायिक निगरानी है, जो सरकार को नियंत्रण में रखने में मदद कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन (76) ने पिछले दशक में भ्रष्टाचार के लिए 37 लाख से अधिक सार्वजनिक अधिकारियों को दंडित करके अपनी आक्रामक भ्रष्टाचार विरोधी कार्रवाई से सुर्खियां बटोरीं।

भ्रष्टाचार से देश एक भी राज्य और केंद्रशासित प्रदेश अछूता नहीं है। केंद्र हो या राज्यों में चाहे किसी भी राजनीतिक दल की सरकारें हों, किन्तु एक भी सत्तारुढ़ दल यह दावा नहीं कर सकता की कोई भी एक विभाग पूर्णतः भ्रष्टाचार से मुक्त हो सका है। देश की तरक्की मे बाधक बना यह मुद्दा सिर्फ शोर-शराबे तक ज्यादा सीमित है। जमीनी स्तर पर कोई भी राजनीतिक दल इसके जड़ सहित खात्मे की दिशा को लेकर गंभीर नहीं है। ऐसा नहीं है कि भ्रष्टाचार के मामलों सिर्फ नौकरशाह ही शामिल हैं। राजनेता भी इसमें पीछे नहीं हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो दोनों के गठजोड़ के कारण ही भ्रष्टाचार लगातार बढ़ता जा रहा है। केंद्र और राज्यों की सरकारें विकास और पारदर्शिता के चाहे जितने दावे कर लें, जब तक भ्रष्टाचार मौजूद है तब तक देश इस मुद्दे पर शर्मसार होता रहेगा।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

भरोसा दिल से, भाजपा फिर से...

● हरियाणा में चुनाव प्रचार खत्म होने पर पीएम मोदी की पोस्ट ● पीएम मोदी ने हरियाणा में बीजेपी की हैट्रिक का जताया भरोसा ● सोशल मीडिया पर लिखा कि कांग्रेस पार्टी को नहीं आने देंगे लोग

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार खत्म होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में बीजेपी की हैट्रिक का विश्वास व्यक्त किया है। दो दिन पहले पीएम मोदी ने पलवल में अपनी आखिरी चुनावी जनसभा की थी। अब पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि आज पूरी दुनिया की नजरें भारत पर हैं। दुनिया, भारत की ओर बहुत आशा और उम्मीद से देख रही है। ऐसे में यह बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है कि हरियाणा के लोग एक ऐसी सरकार चुनें, जो भारत को मजबूती देने की

दिशा में प्रयास करे। कांग्रेस कभी देश को मजबूत नहीं बना सकती। इसलिए मैं हरियाणा के अपने मतदाताओं से ये आग्रह करता हूं कि वे फिर से भाजपा को अपना आशीर्वाद जरूर दें। पीएम मोदी ने आगे लिखा कि कांग्रेस के नेताओं ने आरक्षण खत्म करने का बयान देकर अपने इरादे जता दिए हैं। हरियाणा का पिछड़ा और दलित समुदाय जातिगत हिंसा रोकने में विफल रहने पर पहले से ही कांग्रेस से नाराज चल रहा है। इसलिए लोगों ने कांग्रेस को फिर कड़ी सजा देने का मन बना लिया है। हरियाणा के गली-गली से एक ही आवाज आ रही है- भरोसा दिल से, भाजपा फिर से। पीएम मोदी ने तीसरी पोस्ट में लिखा कि हरियाणा की जनता यह जानती हैं कि कांग्रेस कभी स्थिर सरकार नहीं दे सकती। हरियाणा के लोग यह सब देख रहे हैं।

बदलापुर यौन शोषण केस में स्कूल प्रेसीडेंट और सेक्रेटरी गिरफ्तार

● मुख्य आरोपी की एनकाउंटर में हो चुकी मौत, बॉम्बे हाईकोर्ट ने मजिस्ट्रेट से रिपोर्ट मांगी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में दो बच्चियों से यौन शोषण मामले में पुलिस ने स्कूल प्रेसीडेंट उदय कोटवाल और सेक्रेटरी तुषार आप्टे को गिरफ्तार किया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 1 अक्टूबर को कोतवाल और आप्टे की अग्रिम जमानत खारिज कर दी थी। ठाणे क्राइम ब्रांच दोनों को एसआईटी को सौंपेगी, जो पूरे मामले की जांच कर रही है। बदलापुर में 12 और 13 अगस्त को स्कूल के गर्ल्स वॉशरूम में एक स्वीपर ने किंडरगार्टन में पढ़ने वाली 3 और 4 साल की दो बच्चियों का यौन शोषण किया था। मुख्य आरोपी अक्षय शिंदे को पुलिस ने 17 अगस्त को गिरफ्तार किया था। 23 सितंबर को पुलिस एनकाउंटर में उसकी मौत हो गई। मुख्य आरोपी के एनकाउंटर केस में गुरुवार को बॉम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई हुई।

सुप्रभात

प्रिय पाठक!
कविता मेरे जीवित रहने की ग्राफ़िक प्रस्तुति है।
इसमें मेरे दु:ख और सुख,
अपने रंगों और गुणधर्मों के साथ
चेतना के कई स्तरों पर संघर्ष करते हुए
एक सुचिंतित चरमोत्कर्ष का संयोजन करते हैं।
मेरे लिए कविता उस शहद की तरह है
जिसके निर्माण में कवि ख़ुद को
एक मधु-मक्खी में बदल लेता है।
उसका स्वाद और गंध परिवेश तय करता है
पर उसके सृजन की रचनात्मक क्रिया
केवल मधु-मक्खी ही जानती है।
मेरी कविता
समाज और मेरे जीवन-अनुभव के
विभिन्न स्तरों का लेखा-जोखा अवश्य है
पर इसका मालिकाना हक़ मेरी प्रेरणा,
सुनेत्रा के पास सुरक्षित है।

– राजेश्वर वशिष्ठ

जेल में जाति के आधार पर काम देना आर्टिकल-15 का उल्लंघन

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को दिया जेल मैन्युअल में बदलाव का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने जेलों में जाति के आधार पर भेदभाव को लेकर दाखिल की गई एक जनहित याचिका पर बड़ा फैसला सुनाया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जेलों में किसी भी कैदी के साथ उसकी जाति के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि जेल में रसोई और सफाई के काम को जाति के आधार पर बांटना गलत है। कोर्ट ने साफ कहा कि सफाई का काम सिर्फ निचली जाति के कैदियों को देना और खाना बनाने का काम ऊंची जाति वालों को देना आर्टिकल 15 का उल्लंघन है।

दमोह के सिंग्रामपुर में 5 अक्टूबर को होगी मंत्रि-परिषद की बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल, ग्रामीण अंचलों से लिए जायेंगे जनहितकारी निर्णय

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के समग्र विकास के लिए राजधानी भोपाल से परे संभागीय और आंचलिक क्षेत्रों में इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के साथ कैबिनेट की बैठकें करने की पहल की है। मोहन सरकार की राजधानी के बाहर पहली कैबिनेट बैठक जनवरी 2024 को जबलपुर में हो चुकी है। इसी क्रम में अगली कैबिनेट दमोह जिले के सिंग्रामपुर में 5 अक्टूबर को होने जा रही है। जिला प्रशासन द?मोह द्वारा सिंग्रामपुर में कैबिनेट बैठक की तैयारियां पूर्ण कर ली हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती का योगदान ऐतिहासिक रहा है। द?मोह जिले सिंग्रामपुर गाँव के नजदीक सिंगौरगढ़ का किला है। यह क्षेत्र रानी दुर्गावती की राजधानी के रूप में इतिहास में दर्ज है। वीरांगना दुर्गावती के 500वें जन्मशती वर्ष के अवसर पर उनके सम्मान में सिंग्रामपुर में कैबिनेट की बैठक करने का निर्णय लिया गया है। आगामी 5 अक्टू?बर को राज्य मंत्री-मंडल के सभी सदस्य और प्रशासनिक अधिकारी सिंग्रामपुर पहुंचेंगे, जहाँ प्रदेश के विकास लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिये जायेंगे।

लाड़ली बहना सम्मेलन भी होगा- ग्राम सिंग्रामपुर में कैबिनेट बैठक साथ लाड़ली बहना सम्मेलन भी होगा। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश की लाड़ली बहना योजना और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की हितग्राही बहनों के खाते में राशि का अंतरण करेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा बहनों से संवाद भी किया जायेगा।

सिंग्रामपुर क्षेत्र का करेंगे भ्रमण- सिंग्रामपुर और उसके आस-पास स्थित ऐतिहासिक स्थलों का मंत्रि-परिषद के सदस्यों द्वारा भ्रमण भी किया जायेगा। इसमें रानी दुर्गावती के किले का अवलोकन, रानी मंदिर में पूजा-अर्चना और रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित सभी मंत्रीगण यहाँ पौध-रोपण भी करेंगे।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री बनने के बाद डॉ. मोहन यादव ने सबसे पहले यह निर्णय लिया था कि प्रदेश में नागरिको की समस्याओं के निराकरण, सुशासन, विकास कार्यों और जन-कल्याणकारी काही योजनाओं के मैदानी क्रियान्वयन की संभागवार समीक्षा बैठकें होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पहली समीक्षा बैठक 17 सितम्बर 2023 को उज्जैन मुख्यालय पर ली। इसी क्रम में अन्य संभागों में भी समीक्षा बैठकें ली जाकर मैदानी स्तर पर प्रशासनिक और योजनाओं के क्रियान्वन की स्थिति को आंका गया।

अन्य गतिविधियां

● दमोह दर्शन पुस्तक का विमोचन। ● संकट के साथी एवं दमोह हेल्पलाईन मोबाईल एप की शुभारंभ। ● विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण। ● दमोह जिले के विज़न डाक्यूमेंट का विमोचन। ● दमोह जिले की उपलब्धियों के वीडियो का प्रदर्शन। ● 70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड योजना का शुभारंभ। ● सिंगल क्लिक से लाड़ली बहनों के खातों में राशि का भुगतान। ● विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण। ● ग्राम हरदुआ जामशा, विकासखण्ड बटियागढ़ के उत्कृष्ट विद्यार्थियों का सम्मान। ● बाढ़ के दौरान बचाव कार्य करने वाली टीम का सम्मान। ● स्व-सहायता समूह की महिला सदस्यों से संवाद।

यहां नागा साधु कपड़े पहनते हैं, मां को होता है मासिक धर्म

नवरात्रि विशेष- कामाख्या शक्तिपीठ

प्रसाद में मिलता है लाल कपड़ा, यहां होती है मां की योनि की पूजा

गुवाहाटी (एजेंसी)। गुवाहाटी से करीब 10 किमी दूर नीलांचल पहाड़ी पर बना मां कामाख्या का मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है। देवी मां 64 योगिनियों और दस महाविद्याओं के साथ यहां विराजित हैं। ये दुनिया की इकलौती शक्तिपीठ है, जहां दसों महाविद्या- भुवनेश्वरी, बगला, छिन्नमस्तिका, काली, तारा, मातंगी, कमला, सरस्वती, धूमावती और भैरवी एक ही स्थान पर विराजमान हैं। यहां एक कुंड है, जो हमेशा ही फूलों से ढंका रहता है। इसे मां की योनि माना गया है जिसकी पूजा होती है। मंदिर नाव के आकार में बना है और तीन खंडों में बंटा हुआ है। यहां के मुख्य मंदिर में कामेश्वरी और कामेश्वर को माथा टेकने के बाद 10 कदम की दूरी पर नीचे की ओर एक अंधेरी गुफा है। जहां टेढ़ी-मेढ़ी सीढ़ियों से होकर जाना होता है। यहां एक चौकोर-सी छोटी जगह कपड़ों से ढंकी है। जिसके चारों

तरफ जल है। यही वो योनि स्थल है, जिसे हमेशा कपड़ों से ढंककर रखा जाता है। यह इतना गहरा है कि घुटनों के बल झुककर इसे छूना पड़ता है। मंदिर के ऊपर कबूतर दिखाई दे रहे हैं। उनके ऊपर सिंदूर लगा हुआ है। कबूतर वाले से पूछा तो बताने लगे कि शरीर से रोग दूर करने और मनोकामना पूरी करने के लिए सिंदूर लगाकर कबूतर को उड़ाया जाता है। यहां एक कबूतर करीब 500 रुपए में मिलता है। नवरात्रि में इस मंदिर में भीड़ लगती है। देशभर से लोग यहां मां के दर्शन के लिए आते हैं। पूजा के तरीके में कोई खास बदलाव नहीं होता। मां कामाख्या की पूजा सामान्य दिनों की तरह ही होती है। सुबह साढ़े 5 बजे देवी के पीठ स्थान को स्नान कराया जाता है। फिर नए कपड़े पहनाए जाते हैं। फूल चढ़ाकर श्रृंगार किया जाता है। इसके बाद शुरू होती है रोज की पूजा और आरती।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 36.3 °c
न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 04 अक्टूबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

नवरात्रि विशेष- विजयासन देवी

माता ने विकराल रूप धर किया था रक्तबीज का संहार

● देवताओं ने आसन दिया, इसलिए कहलाईं विजयासन देवी, 450 साल पहले बंजारों ने बनवाया था मंदिर

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में विंध्याचल की मनोरम वादियों में स्थित है देवीधाम सलकनपुर। चारों ओर हरियाली से भरपूर पर्वतों में से एक पर है मां विंध्यवासिनी का भव्य मंदिर। नवरात्रि पर माता के दर पर माथा टेकने देश-विदेश से भक्त आ रहे हैं। लोग 1401 सीढ़ी चढ़कर 800 फीट ऊंचे पर्वत पर विराजित मां के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। कहा जाता है कि मंदिर का निर्माण 450 साल पहले बंजारों ने करवाया था। मंदिर के पुजारी प्रभुदयाल महंत ने बताया, 'श्रीमद् भागवत में उल्लेख है कि दैत्य रक्तबीज से त्रस्त होकर देवता माता की शरण में पहुंचे। देवी ने विकराल रूप धारण कर इसी स्थान पर रक्तबीज का संहार किया। मां भगवती की इस विजय पर देवताओं ने उनकी स्तुति की। उन्हें जो आसन दिया, वही विजयासन धाम के नाम से विख्यात हुआ। यही रूप विजयासन देवी कहलाया। कई लोग इन्हें कुलदेवी के रूप में भी पूजते हैं।' पहाड़ी पर मंदिर के ऊपर और नीचे मेडिकल टीमें तैनात हैं। सीढ़ियों से मंदिर तक पहुंचने के लिए ट्रस्ट ने पानी से लेकर छांव तक की व्यवस्था कर रखी है। 500 सीढ़ियां चढ़ने पर पहला विश्राम स्थल है। इसके आगे आप 300 सीढ़ियां और चढ़ेंगे तो दूसरा 800वीं सीढ़ी पर, 300 सीढ़ियां और चढ़ेंगे तो तीसरा विश्राम स्थल 1100वीं सीढ़ी पर आएगा। नवरात्रि को देखते हुए प्रशासन और ट्रस्ट ने पहाड़ी से सटकर 2000 से ज्यादा चारपहिया वाहनों की एक साथ पार्किंग की व्यवस्था की है। पहाड़ी पर भी पार्किंग की व्यवस्था है। नवरात्रि पर निजी वाहनों के चोटी तक जाने की मनाही है।

संक्षिप्त समाचार

बढ़ती बेरोजगारी के लिए जिम्मेदार हैं पीएम मोदी

● राहुल बोले-56 इंच छाती की बात करते थे

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन राहुल गांधी नूंह पहुंचे। यहां उन्होंने जनसभा में कहा कि हरियाणा में बेरोजगारी के लिए पीएम मोदी जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि अब मोदी 56 इंच की छाती की बात नहीं करते। उनका चेहरा एकदम बदल गया है। इसके साथ ही राहुल ने कांग्रेस के

उम्मीदवारों के पक्ष में वोट डालने की अपील की। राहुल ने कहा कि भाजपा को वोट मत देना। राज्य की दूसरी छोटी पार्टियों को भी वोट मत देना, क्योंकि वे भाजपा की ही ए, बी और सी पार्टियां हैं। उनमें और भाजपा में कोई अंतर नहीं है। राहुल ने अमेरिका दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि कुछ दिन पहले मैं अमेरिका गया। वहां हरियाणा के युवा मुझसे मिले। उन्होंने अपनी समस्या बताई।

दिल्ली में अमित शाह ने फाइनल की महायुति की सीट!

दशहरे पर आएगी पहली लिस्ट, चुनाव का ऐलान भी जल्द

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का महासंग्राम शुरू हो चुका है। 10 अक्टूबर को केंद्रीय चुनाव आयोग नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर सकता है। ऐसे संकेत हैं

कि विजयादशमी के मौके पर महाविकास अघाड़ी की पहली उम्मीदवार सूची की घोषणा की जाएगी। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने भी कहा है के नवरात्रि के बाद महायुति गठबंधन की पहली लिस्ट आएगी। दिल्ली में अमित शाह के साथ हुई एकनाथ शिंदे और अजित पवार की बैठक के बाद सीट शेयरिंग फॉर्मूला लगभग तय कर लिया गया है। पहली लिस्ट में 100 प्रत्याशियों के नाम जारी किए जाएंगे।

दिल्ली ड्रग्स केस से जुड़ा कांग्रेस नेता का नाम

● बीजेपी बोली-मोहब्बत की दुकान में नशे का सामान

नई दिल्ली (एजेंसी)। 5600 करोड़ के नशीली दवाओं के केस में कांग्रेस नेता की गिरफ्तारी पर भाजपा हमलावर हो गई है। बीजेपी की तरफ से सीधा राहुल गांधी के ऊपर आरोप लगाते हुए पूछा गया है कि पहले तो आपकी मोहब्बत की दुकान में नफरत का सामान मिलता था, अब यह नशे का सामान भी मिलने लगा। पार्टी के सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस को स्पष्टीकरण देना चाहिए की आखिर उनका इस इंटरनेशनल ड्रग्स सिंडिकेट से क्या संबंध हैं।

त्रिवेदी ने कहा कि इस मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपियों में से एक दिल्ली युवा कांग्रेस के आरटीआई सेल का प्रमुख था उसकी गिरफ्तारी से सवाल उठता है कि क्या कांग्रेस द्वारा अपने चुनावी अभियान में नशीली दवाओं के पैसे का इस्तेमाल किया जा रहा था और क्या कथित सरगना तुषार गोयल के साथ पार्टी के संबंध व्यापार तक भी फैले हुए थे।

त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस को यह साफ करना चाहिए कि पार्टी के साथ गोयल के साथ रिश्ता सिर्फ राजनीतिक है या फिर वित्तीय भी है। कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व पर निशाना साधते हुए त्रिवेदी ने कहा कि देश की जनता को यह जानने का अधिकार है कि आखिर नशीली दवा विक्रेताओं और कांग्रेस के बीच क्या संबंध है, आखिर क्या समझौता है इन दोनों के बीच। क्या कांग्रेस पार्टी ने उन सभी तस्करों को आश्वासन दिया है कि हमारी सरकार आने पर उनको हरियाणा में खुली छूट होगी। त्रिवेदी ने कहा कि इन सभी सवालों का जवाब कांग्रेस पार्टी को देना चाहिए।

कोलकाता डॉक्टर रेप-मर्डर केस में अब नया बवाल

आरजी कर अस्पताल में पीड़िता की मूर्ति को लेकर बढ़ा विवाद

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में बलात्कार और हत्या की पीड़िता डॉक्टर की मूर्ति स्थापित करने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इस मूर्ति को विरोध प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों ने बनवाया है। मूर्ति बनाने वाले कलाकार असित सैन के मुताबिक, क्राई ऑफ द ऑवर नाम की इस प्रतिमा में पीड़िता की जिंदगी के आखिरी लम्हों में में उसकी पीड़ा और भय को दर्शाया गया है। एक ऊंचे स्लैब पर स्थापित इस मूर्ति में एक महिला जैसी आकृति रोते हुए दिखाई दे रही है और इसे आरजी कर के प्रिंसिपल के कार्यालय के पास लगाया गया है। अस्पताल के एक जूनियर डॉक्टर ने कहा, यह प्रतिमा पीड़िता की नहीं है बल्कि उसके द्वारा झेले गए दर्द

और यातना और चल रहे विरोध का प्रतीक है। हालांकि ट्रेनी डॉक्टर की मूर्ति की स्थापना को लेकर हंगामा खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने इसकी निंदा की है और इसे अपमानजनक और असंवेदनशील बताया है। एक यूजर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, क्या आप चाहेंगे कि उनकी प्रतिमा लगाई जाए। उनके पीड़ा भरे चेहरे के साथ ऐसा ना करें।

मणिपुर में 6 दिन से बंधक 2 मैतेई युवक रिहा

मुख्यमंत्री ने दी जानकारी, सेना भर्ती के लिए गए थे, गलती से कुकी इलाके में घुसे

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी में 27 सितंबर को अगवा किए गए दो युवकों को कुकी उग्रवादियों ने रिहा कर दिया गया है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने गुरुवार, 3 अक्टूबर को एक्स पर पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। सीएम ने बताया कि दोनों युवक पुलिस कस्टडी में हैं। मणिपुर यूनिवर्सिटी से एमए कर चुका 22 साल का ओइनम थोईथोई दो दोस्तों- निंगोमबाम जॉनसन और थोकचोम थोइथोइबा के साथ सेना में भर्ती के लिए इंफाल वेस्ट जिले के न्यू कीथेलमैनबी गया था। यहां कुकी उग्रवादियों ने तीनों को किडनैप कर लिया। थोईथोई थौबल का रहने वाला है। थौबल में गठित जॉइंट एक्शन कमेटी की संयोजक केइशम याइफाबी ने बताया कि जॉनसन के

पास एडमिट कार्ड था तो उग्रवादियों ने उसे असम राइफल्स को सौंप दिया, लेकिन बाकी को पकड़ लिया। जॉनसन ने बताया कि वे तीनों बाइक से गूगल मैप को फॉलो कर रहे थे। गलती से कुकी इलाके में घुस गए थे। युवकों को परेशान करते वीडियो सोशल सामने आया था मणिपुर में दोनों युवकों की किडनैपिंग के विरोध में पिछले कुछ दिनों से हालात तनावपूर्ण हैं। मैतेई लोगों ने दोनों युवकों की हत्या की आशंका जताई थी। बंधक बनाए जाने के बाद दोनों युवकों थोईथोई और थोइथोइबा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें दोनों को परेशान करते दिखाया गया। मैतेई संगठनों ने सरकार को चेतावनी दी थी कि अगर कुकी उग्रवादियों ने एक-दो दिन में युवकों को नहीं लौटाया गया तो हालात बिगड़ने के लिए सरकार जिम्मेदार होगी। मणिपुर के डीजीपी राजीव सिंह युवकों को कुकी उग्रवादियों से छुड़ाने के लिए कुकी बहुल कांगपोकपी पहुंचे थे। सीएम बीरेन सिंह ने कहा था कि युवकों को बचा लाएंगे। मैतेई लोगों ने हत्या की आशंका जताई थी घटना के विरोध में 2 अक्टूबर को मैतेई बहुल 5 जिले इंफाल ईस्ट, वेस्ट, विष्णुपुर, काकचिंग और थौबल पूरी तरह बंद रहे। यहां मैतेई संगठनों ने 48 घंटे का बंद बुलाया है।

टीएमसी को रास नहीं आ रहे निशिकांत दुबे

महुआ मोइत्रा ने की स्थायी समिति बदलने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद निशिकांत दुबे और तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा के रिश्ते काफी तल्खी भरे रहे हैं। इस बीच लोकसभा स्पीकर ने निशिकांत दुबे की अध्यक्षता वाली संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति में महुआ का नाम शामिल कर दिया है। टीएमसी को यह बात पसंद नहीं आई। ममता बनर्जी की पार्टी ने ओम बिरला के कार्यालय को एक चिट्ठी लिखी है, जिसमें उसने इस समिति से अपने सांसद का नाम हटाकर दूसरी समिति में शामिल करने का अनुरोध किया है। राज्यसभा सांसद और समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन भी आईटी पैनल से श्रम समिति जा चुकी हैं। तृणमूल के साकेत गोखले विपक्ष की रणनीति के तहत आईटी समिति में शामिल हो गए हैं। निशकांत दुबे और महुआ मोइत्रा को प्रतिद्वंद्वी माना जाता है।

इकॉनमी, ट्रेड, तेल, नौकरी, मार्केट...

इजरायल-ईरान महासंग्राम से मुश्किल में फंस जाएगा भारत!

● घरेलू शेयर मार्केट में गिरावट से 10 लाख करोड़ स्वाहा ● भारत पर इस लड़ाई का व्यापक असर होने की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ रहे तनाव का असर पूरी दुनिया पर दिखने लगा है। कच्चे तेल की कीमत में पिछले दो दिन में काफी उछाल आई है जबकि शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखने को मिली है। बीएसई सेंसेक्स आज कारोबार के दौरान 1,600 अंक से अधिक गिर गया जबकि निफ्टी में भी 500 अंक से ज्यादा गिरावट रही। जानकारों का कहना है कि अगर ईरान और इजरायल के बीच

युद्ध होता है तो इसका भारत समेत पूरी दुनिया पर व्यापक असर हो सकता है। खासकर भारत के लिए इसके व्यापक मायने हो सकते हैं। मसलन खाड़ी देशों के साथ व्यापार प्रभावित हो सकता है, पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ सकती है।

पुलिस एसआई भर्ती रद्द नहीं हुई तो 'बाबा' ने फोड़ा नया बम

● सरकार की मंशा पर ही उठा दिया सवाल, कांग्रेस ठोक रही ताली

जयपुर (एजेंसी)। राज्य सरकार के एक फैसले कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने हैरानी जताई है। राज्य सरकार ने हाल ही में 6 मंत्रियों की एक कमेटी बनाई है। यह कमेटी इस बात का फैसला करेगी कि सब इंस्पेक्टर भर्ती 2021 को रद्द करना है या नहीं। कानून मंत्री जोगाराम पटेल को कमेटी का संयोजक बनाया गया है और स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, खाद्य मंत्री सुमित गोदारा, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म और पीडब्ल्यूडी राज्य मंत्री डॉ मंजू बागमार को कमेटी का सदस्य बनाया गया है। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने एक न्यूज चैनल को इंटरव्यू देते हुए कहा कि वे सरकार के इस फैसले से हैरान है।

ईशा फाउंडेशन के खिलाफ जांच पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

कहा-पुलिस आगे ऐक्शन न ले, फाउंडेशन पर लड़कियों को बंधक बनाने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ईशा फाउंडेशन के खिलाफ पुलिस जांच के आदेश पर रोक लगा दी है। ईशा फाउंडेशन के फाउंडर सद्गुरु जग्गी वासुदेव हैं। फाउंडेशन के खिलाफ रिटायर्ड प्रोफेसर एस कामराज ने मद्रास हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। आरोप था कि आश्रम में उनकी बेटियों लता और गीता को बंधक बनाकर रखा गया है। मद्रास हाईकोर्ट ने 30 सितंबर को कहा था कि पुलिस ईशा फाउंडेशन से जुड़े सभी क्रिमिनल केसों की डिटेल पेश करे। अगले दिन 1 अक्टूबर को करीब 150 पुलिसकर्मी आश्रम में जांच करने पहुंचे थे। सद्गुरु ने हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिस पर आज सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। मामले की अगली सुनवाई 18 अक्टूबर को होगी। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा- आप सेना या पुलिस को ऐसी जगह दाखिल होने की इजाजत नहीं दे सकते। उन्होंने कहा कि दोनों लड़कियां 2009 में आश्रम में आई थीं। उस वक्त उनकी उम्र 24 और 27 साल थी। वे अपनी मर्जी से वहां रह रही हैं।

उन्होंने बताया कि कल रात से आश्रम में मौजूद पुलिस अब चली गई है। फैसले से पहले सीजेआई चंद्रचूड़ ने दोनों महिला संन्यासियों से अपने चेंबर में चर्चा भी की। इनमें से एक ने कहा कि दोनों ही बहनें अपनी मर्जी से ईशा योग फाउंडेशन में हैं। उनके पिता पिछले 8 सालों से परेशान कर रहे हैं। याचिकाकर्ता का आरोप- बेटियों को बंधक बनाया, ब्रेनवॉश किया तमिलनाडु एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के रिटायर्ड प्रोफेसर एस कामराज ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। उन्होंने कहा था कि आश्रम ने उनकी बेटियों को बंधक बना लिया है। उन्हें तुरंत मुक्त कराया जाए। कामराज ने कहा है कि ईशा फाउंडेशन ने उनकी बेटियों का ब्रेनवॉश किया, जिसके कारण वे संन्यासी बन गईं। कामराज ने कहा- बेटियों को कुछ खाना और दवा दी जा रही है, जिससे उनकी सोचने-समझने की शक्ति खत्म हो गई है। जब से बेटियों ने उन्हें छोड़ा है, उनका जीवन नर्क बन गया है। बड़ी बेटी गीता एक यूनिवर्सिटी से टॉपर है। उसे 2004 में उसी यूनिवर्सिटी में लगभग 1 लाख के वेतन पर नौकरी मिली थी। उसने 2008 में अपने तलाक के बाद ईशा फाउंडेशन में योग क्लासेज में भाग लेना शुरू किया। जल्द ही गीता की छोटी बहन लता भी उसके साथ ईशा फाउंडेशन में रहने लगी।

अंतर्राष्ट्रीय

फिल्म फेस्टिवल में भोपाल के ध्रुव आचार्य को मिला बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट अवार्ड

भोपाल (नप्र)। नेशनल फिल्म आर्काइव आफ इन्डिया पुणे में आयोजित मुम्बई इन्टरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 में फिल्म 'नमस्ते सर' को बेस्ट चाइल्ड फिल्म तथा इसमें मुख्य भूमिका निभाने वाले भोपाल के अभिनेता ध्रुव आचार्य को बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट अवार्ड दिया गया । इस फेस्टिवल में चाइल्ड फिल्म केटेगरी में 800 से अधिक बाल फिल्मों में से फिल्म 'नमस्ते सर' का चयन किया गया था। इसके प्रोड्यूसर राघवेन्द्र दीवान, को प्रोड्यूसर कोमल गोस्वामी तथा श्वेता बंसल, एसोसिएट प्रोड्यूसर पृथ्वीराज दास गुप्ता, सहायक लेखक एवं मुख्य सह निर्देशक विशाल सोलंकी तथा संगीतकार वीर पंड्या हैं।

ज्ञातव्य है कि फाइनेंशियल एडवाइज़र शरद आचार्य का सुपुत्र ध्रुव आचार्य केम्पियन स्कूल का छात्र है और लम्बे समय से बाल भवन से जुड़कर अभिनय का प्रशिक्षण प्राप्त करता रहा है। उसने सोनी टी.वी. के टेलेन्ट हन्ट कार्यक्रम सबसे बड़ा कलाकार में अपने अभिनय से व्यापक ख्याति अर्जित की तथा ग्राण्ड फिनाले में उप विजेता का खिताब हासिल किया था । वह रंगमंच पर भी अनेक नाटकों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुका है । उसे अभिनव कला परिषद द्वारा 'कल के कलाकार' सम्मान सहित अन्य अनेक संस्थाओं द्वारा विभिन्न सम्मानों से नवाजा जा चुका है ।

भोपाल में नौवीं कक्षा की छात्रा से ज्यादती

मोहल्ले में रहने वाले युवक ने दिया वारदात को अंजाम

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल के जहांगीराबाद इलाके में रहने वाली नौवीं कक्षा की छात्रा के साथ ज्यादती का मामला सामने आया है। वारदात को मोहल्ले में रहने वाले युवक ने अंजाम दिया है। बुधवार की शाम पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

टीआई आशुतोष उपाध्याय ने बताया कि 16 वर्षीय किशोरी जहांगीराबाद इलाके के एक मोहल्ले में रहती है तथा नौवीं क्लास की छात्रा है। इसी मोहल्ले में यशवंत नाम का युवक किराए के मकान में रहता है। वह मूलत- सीहोर जिले का रहने वाला है। एक ही इलाके में रहने के कारण दोनों के बीच दोस्ती हो गई।

दोनों के बीच एक साल पुराना परिचय था

करीब एक साल से वे एक दूसरे को जानते थे। दोनों के बीच जब नजदीकी संबंध हो गए तो एक महीने पहले युवक ने बहला-फुसलाने के बाद किशोरी के साथ शारीरिक संबंध बना लिए। इसके बाद बदनामी का डर दिखाकर वह स्कूली छात्रा का शारीरिक शोषण करने लगा।

दोबारा संबंध बनाने का दबाव डाला तब एफआईआर दर्ज

वह बार-बार शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाल रहा था। इससे परेशानह होकर छात्रा ने अपने परिजनों को पूरी बात बताई तथा थाने में जाकर शिकायत कर दी। पुलिस ने दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया।

कांग्रेस का स्पीक अप कैम्पेन पहले ही दिन विवादों में

युकां प्रदेशाध्यक्ष ने शेयर किया गाना 'घर-घर में खौफ हो' भाजपा की शिकायत पर एफआईआर

भोपाल (नप्र) मप्र में बेटियों, महिलाओं के साथ हो रही रेप की घटनाओं के विरोध में कांग्रेस ने गांधी जयंती से बेटी बचाओ अभियान शुरू किया है। इस अभियान के पहले ही दिन स्पीक अप कैम्पेन चलाया गया। इस कैम्पेन में कांग्रेस नेताओं ने वीडियो शेयर कर बेटियों, महिलाओं के साथ हो रही घटनाओं पर सरकार और कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए। कांग्रेस का यह अभियान पहले ही

दिन विवाद में घिर गया है। एमपी युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह यादव ने अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया। मितेंद्र ने गाने को शेयर करते हुए लिखा- मप्र में लाड़ली बहना का एक और गाना, सुनिए और समझिए।

इस गाने को लेकर बीजेपी ने आपत्ति जताते हुए भोपाल के क्राइम ब्रांच थाने में शिकायती आवेदन दिया है। हालांकि, यूथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह ने विवाद मचने के बाद वीडियो डिलीट कर दिया है। इस बीच पुलिस ने मितेंद्र दर्शन सिंह के विरुद्ध बीएनएस की धारा 353 (2), 356 (2) के अंतर्गत अपराध दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

लाड़ली बहना योजना का मजाक उड़ाया

बीजेपी विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक अशोक विश्वकर्मा ने भोपाल के क्राइम ब्रांच थाने में आवेदन देकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। बीजेपी नेताओं की ओर से दिए गए आवेदन में लिखा कि मप्र युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह ने मप्र में सर्वाधिक लोकप्रिय लाड़ली बहना योजना का मजाक उडाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के खिलाफ भ्रामक वीडियो अपने सोशल मीडिया ङ्क पर पोस्ट किया है।

सीएम को राष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करने की साजिश

शिकाय में कहा गया है कि मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति के खिलाफ पोस्ट की गई वीडियो में शब्दों का जो चयन किया गया है। वह यह है कि घर-घर में खौफ हो। यह मप्र की शांति व्यवस्था बिगाडने और आम जन में खौफ पैदा करने का इरादा रखता है। कांग्रेस नेता द्वारा इस वीडियो के जरिए मप्र को राष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करने की साजिश है। इस वीडियो पर पूरी तरह रोक लगाकर कांग्रेस नेता मितेंद्र सिंह की एक्स आईडी को स्थायी रूप से बंद कर उनके खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाए।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से प्रदेश के नवनियुक्त मुख्य सचिव अनुराग जैन ने आज राजभवन में सौजन्य भेंट की।

राज्यपाल श्री पटेल ने प्रो. अर्पण भारद्वाज को विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन का कुलगुरू नियुक्त किया

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल ने विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलगुरू के पद पर प्रो. अर्पण भारद्वाज को नियुक्त किया है। प्रो. भारद्वाज वर्तमान में माधव-विज्ञान महाविद्यालय उज्जैन में प्रभारी प्रचार्य हैं। इनका कार्यकाल कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से चार वर्ष की कालावधि अथवा 70 वर्ष की आयु (जो भी पूर्वतर हो) तक होगा।

बरखेड़ा से ओबेदुल्लगंज के लिए रवाना हुआ शक्ति कलश

गायत्री परिवार का जन जागरण अभियान हुआ शुरू, 108 गांवों का करेगा भ्रमण

भोपाल (नप्र)। भोपाल में गुरुवार सुबह शक्ति कलश का प्रस्थान प्रज्ञा पीठ बरखेड़ा से हुआ। इस दौरान शक्ति नगर, आचार्य श्रीराम मार्ग, बागसेवनिया थाना और श्रीराम कॉलोनी के शनि मंदिर के पास भव्य स्वागत किया गया और कलश को विदाई दी गई।

ये शक्ति कलश 13 जनवरी से 16 जनवरी 2025 तक मंडीदीप में होने वाले 108 कुंडी गायत्री महायज्ञ के लिए निकाला गया है। भोपाल में विभिन्न मार्गों से होकर कलश आज मंडीदीप पहुंचा और फिर वहां से औबेदुल्लागंज के लिए रवाना हुआ। औबेदुल्लागंज में 9 दिनों तक साधना का आयोजन किया जाएगा। इस यात्रा के माध्यम से 108 कुंडी गायत्री महायज्ञ के लिए लोगों को आमंत्रित किया जाएगा। इसके बाद यह शक्ति कलश 108 गांवों का भ्रमण करेगा और गायत्री परिवार के जन जागरण अभियान को गति देगा।

शिक्षकों ने डीईओ कार्यालय भोपाल के सामने किया प्रदर्शन

पद खाली नहीं फिर भी काउंसिलिंग करने पर फूटा शिक्षकों का गुस्सा

भोपाल (नप्र)। अतिशेष शिक्षकों के समायोजन को लेकर बार-बार काउंसिलिंग बुलाए जाने से नाराज शिक्षकों ने गुरुवार को लोक शिक्षण संचालनालय के बाद भोपाल जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का भी घेराव किया। शिक्षकों ने नारेबाजी की और रोज-रोज की काउंसिलिंग से मुक्ति दिलाने की मांग की। ये विज्ञान विषय के शिक्षक हैं, जिन्हें पिछले 3 माह में कई बार काउंसिलिंग के लिए बुला लिया गया है। शासकीय शिक्षक संगठन के बैनरतले हुए प्रदर्शन में शिक्षकों ने स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को तानाशाह बताया। उन्होंने कहा कि शक्ति की आराधना के पहले दिन भी महिला शिक्षकों को काउंसिलिंग के नाम पर भोपाल बुला लिया गया। जबकि यह आराधना और व्रत का पर्व है। संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने बताया कि भोपाल में विज्ञान विषय के पद रिक्त न होने और पूर्व में असहमति देने वाले शिक्षकों की पुनः काउंसिलिंग के लिए बुलाया जा रहा है।

मानसून पीरियड खत्म, विदाई शुरू

ग्वालियर-चंबल से लौटा, अब उज्जैन की बारी ; दिन में गर्मी, रात में ठंड बढ़ेगी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश से मानसून की विदाई शुरू हो गई है। बुधवार को मौसम विभाग ने ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, शिवपुरी और श्योपुर से मानसून के लौटने की घोषणा कर दी थी। गुरुवार को उज्जैन संभाग के कुछ जिलों से मानसून विदा हो जाएगा। सबसे आखिरी में जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग से विदाई होगी।

सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि 4 अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) सक्रिय हो रहा है। इस वजह से राज्य के पूर्वी हिस्से से विदाई देरी से होगी।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे यानी बड़वानी, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर में बूंदाबांदी और गरज-चमक की स्थिति रह सकती है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत प्रदेश के बाकी के जिलों में तेज धूप खिलेगी।

सबसे लेट पहुंचा, सबसे पहले विदा हुआ

एमपी में 21 जून को मानसून एंटर हो गया था। जबलपुर संभाग के रास्ते मानसून आया था। 28 जून को सबसे आखिरी में ग्वालियर-चंबल संभाग में मानसून पहुंचा था, लेकिन विदाई सबसे पहले यहीं से हुई है। यहां करीब 95 दिन तक मानसून एक्टिव रहा।

दिन में गर्मी, रातें ठंडी होने लगेंगी

प्रदेश में 3 दिन से बारिश का दौर थमा है। बुधवार को ग्वालियर और चंबल संभाग से मानसून की विदाई होने के साथ प्रदेश के कई जिलों में गर्मी का असर बढ़ गया। ग्वालियर और खजुराहो में पारा 36.6 डिग्री तो टीकमगढ़ में 36 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। भोपाल, गुना, रतलाम, उज्जैन, दमोह, जबलपुर, रीवा में पारा 35 डिग्री के पार रहा। इंदौर में 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, ठंड की दस्तक होने तक दिन गर्म और रातें ठंडी रहेंगी। 20 अक्टूबर से रात में सर्दी बढ़ेगी।

भोपाल में अतिथि शिक्षकों पर लाठीचार्ज, 4 पर एफआईआर

बोले- पुलिस ने लाइट बंद करके इतना मारा कि डंडे टूट गए, महिलाओं को भी नहीं छोड़ा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में प्रदर्शन कर रहे अतिथि शिक्षकों पर बुधवार रात पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इससे पहले अंबेडकर मैदान की लाइट्स बंद कर दी गई। अतिथि शिक्षकों का आरोप है कि लाठीचार्ज करने वालों की पहचान न हो सके इस कारण अंधेरे में पीटा गया।

लाठीचार्ज के वीडियो बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात सोशल मीडिया पर सामने आए। इसमें अंधेरे में शिक्षकों की चीख पुकार सुनाई दे रही है। लाठीचार्ज के बाद प्रदर्शनकारी लौट गए। टीटी नगर थाना पुलिस ने अतिथि शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष केसी पवार और संगठन से जुड़े बीएम खान, मुकेश जोशी, संतोष व अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

दरअसल, गांधी जयंती पर प्रदेशभर के अतिथि शिक्षक नियमितिकरण की मांग को लेकर भोपाल के सेकेंड स्टॉप स्थित अंबेडकर मैदान में इकट्ठा हुए थे। अतिथि शिक्षक नारे लगा रहे थे, कब्जा करने आए हैं कब्जा करके जाएंगे। इस नारे को स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के बयान का जवाब माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था- आप हमारे मेहमान बनकर आओगे, तो घर पर कब्जा करोगे क्या?

अतिथि शिक्षक बोले- पुलिस ने बेरहमी से पीटा

सीधी जिले से आए अतिथि शिक्षक ने बताया, 'रात करीब 8:30 बजे पुलिस बात करने आई। कहा कि आपके डेलिगेशन को संबंधित विभाग के जिम्मेदारों से मिलना है। हमने कहा, जिसे बात करनी है यहीं आएं।

पुलिस और अतिथि शिक्षकों में हुई थी झड़प

अतिथि शिक्षक जब सीएम हाउस का घेराव करने आगे बढ़ रहे थे, तब उन्हें रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेड्स लगाए। पुलिस से उनकी झड़प और धक्कामुक्की भी हुई। प्रदर्शन देर रात तक जारी रहा।

बुधवार रात 8 बजे पुलिस ने अतिथि शिक्षकों पर अचानक लाठीचार्ज कर दिया। एक बैनर भी लगाया गया, जिसमें लिखा था, बलवाइयों आपका मजमा गैरकानूनी करार दिया गया है। तितर बितर हो जाइए,कारगर गोली चलाई जाएगी।' बैनर का विरोध होने पर इसे हटा दिया गया।

जिस स्कूल में बच्ची से रेप हुआ, उसे शिक्षा विभाग चलाएगा

अगले सत्र में रिन्यू नहीं होगी मान्यता
भोपाल में ऐसा एक्शन पहली बार

भोपाल (नप्र)। भोपाल के जिस प्राइवेट स्कूल में 3 साल की बच्ची से रेप हुआ था, वो स्कूल एक-दो दिन में फिर खोला जाएगा। अब इसका संचालन जिला शिक्षा अधिकारी करेंगे। स्कूल में 324 बच्चे पढ़ते हैं। स्कूल की मान्यता अगले सत्र से रिन्यू नहीं की जाएगी।

टीचर द्वारा बच्ची से रेप के मामले में हंगामे के बाद स्कूल को सील कर दिया गया था। 6 सदस्यीय जांच कमेटी की रिपोर्ट मिलने के बाद कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सरकार को प्रस्ताव भेजा है कि स्कूल का संचालन डीईओ करें। जांच के लिए दो टीमें बनाई गई थीं। पहली जांच रिपोर्ट में बच्चियों की सुरक्षा को लेकर स्कूल प्रबंधन की बड़ी लापरवाही सामने आई थी। वहीं, दूसरी 7 सदस्यीय कमेटी ने स्कूल के संचालन को लेकर अपनी रिपोर्ट कलेक्टर को दी।

डीईओ (जिला शिक्षा अधिकारी) नरेंद्र अहिरवार ने बताया कि भोपाल में पहली बार कोई प्राइवेट स्कूल की कमान सरकारी हाथ में लेंगे। हालांकि, नियम है कि यदि किसी प्राइवेट स्कूल में ऐसा होता है तो उसके संचालन की कमान हम ले सकते हैं। उन्होंने बताया, संकुल प्राचार्य या किसी सरकारी स्कूल के प्राचार्य एक-दो दिन में ही संचालन की व्यवस्था सौंप देंगे। स्कूल प्रबंधन से चर्चा कर रहे हैं। इसके बाद स्कूल खोला जाएगा।

जांच टीम ने स्कूल के संचालन को लेकर दो विकल्प पर मंथन किया गया...

स्कूल की मान्यता रद्द कर दें और बच्चों का दूसरे स्कूल में दाखिला करवा दें।

मान्यता रद्द नहीं करते हुए इस सत्र के लिए स्कूल की कमान खुद अपने हाथों में ले लें।

इस टीम में अफसर और शिक्षाविद् शामिल थे। स्कूल की मान्यता को लेकर टीम ने मंथन किया। आखिरकार टीम इस नतीजे पर पहुंची कि अभी स्कूल को खोल दिया जाए, लेकिन अगले शिक्षण सत्र से मान्यता रिन्यू न हो। कलेक्टर सिंह ने बताया, जांच कमेटी की रिपोर्ट मिलने के बाद सरकार को प्रस्ताव भेजा है। इसमें मौजूदा शिक्षा सत्र में बच्चों की पढ़ाई जारी रखने की बात कही गई है। संकुल प्राचार्य या सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल को मॉनिटरिंग का जिम्मा सौंपेंगे। अगले सत्र से स्कूल की मान्यता रिन्यू नहीं करने दी जाएगी।

79 बच्चे का दाखिला आरटीई से- स्कूल में कुल 324 बच्चे पढ़ते हैं। इनमें से 79 ऐसे हैं, जिनका आरटीई (राइट टू एजुकेशन) में एडमिशन हुआ है। बीच सत्र में स्कूल बंद होने से सभी बच्चों को परेशानी हो सकती थी। उनका एक साल बिगड़ जाएगा।

स्कूल खुले पांच महीने हो चुके हैं। यानी, आधा शिक्षा सत्र। ऐसे में बच्चों का कहीं एडमिशन भी नहीं हो सकता। स्कूल को बंद रखते हैं तो बच्चों का एक साल खराब हो जाएगा। दूसरी तरफ, कई शिक्षकों का पढ़ाई का तरीका बच्चों को बेहतर लगता है। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसलिए जांच टीम ने प्लान तैयार किया। यही कलेक्टर को सौंपा गया।

संपादकीय

सिद्धारमैया : इस्तीफे पर दोहरे मापदंड

मुडा जमीन घोटाले में भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया द्वारा पद से इस्तीफा न देने का खुला ऐलान और दूसरे राज्यों में आरोपों में घिरे मुख्यमंत्रियों से त्यागपत्र मांगने वाली कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस का सिद्धारमैया के बचाव से जाहिर है कि नैतिकता के संदर्भ में सभी राजनीतिक दलों के दोहरे मानदंड हैं। मसलन अगर विपक्षी पार्टी के सीएम पर आरोप लगे तो तुरंत इस्तीफे की मांग कर दी जाती है, लेकिन अपनी ही पार्टी के मुख्यमंत्री पर ऐसे आरोप लगे तो उसे बचाने की हरसंभव कोशिश की जाती है। सिद्धा के पक्ष में तर्क दिया जा रहा है कि जब 'आप' और 'बीजेपी' के मुख्यमंत्रियों ने भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते पद नहीं छोड़ा तो सिद्धा को क्यों इस्तीफा देना चाहिए? कांग्रेस इसे भाजपा की चाल बता रही है। उधर अपने बचाव में सिद्धारमैया ने कहा कि मुझ पर मुडा लैंड स्कैम में मुझ पर धन शोधन (मनी लाड्रिंग) का आरोप लगाया गया है। यह मामला धन शोधन का किस आधार पर बनता है, यह मुझे नहीं पता। उन्होंने इस मामले में ईडी की कार्रवाई पर भी सवाल उठाया। दरअसल ईडी ने सिद्धारमैया के खिलाफ धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत केस दर्ज किया है। इसे लेकर सिद्धारमैया ने कहा कि मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में पीएमएलए के प्रावधान लागू नहीं होते हैं। क्योंकि मुडा द्वारा जो जमीन जो ली गई है, उसके बदले मेरी पत्नी को भूखंड दिया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ एमयूडीए द्वारा उनकी पत्नी को 14 भूखंडों को आवंटन करने की प्रक्रिया में कथित तौर पर अनियमितताओं को लेकर केस तथा सीएम और अन्य के खिलाफ पीएमएलए के तहत मामला दर्ज किया है। इस बीच सिद्धारमैया की पत्नी ने एमयूडीए को पत्र लिखकर 14 भूखंडों पर स्वामित्व एवं कब्जा छोड़ने की पेशकश की। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि उनके पति के सम्मान, प्रतिष्ठा, गरिमा और मानसिकता से बढ़कर कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टी के नेता झूठ बोलने में विश्वगुरु हैं। इसी संदर्भ में सिद्धारमैया ने सवाल किया कि क्या मेरे इस्तीफा देने के बाद यह मामला बंद हो जाएगा ? केंद्र की भाजपा सरकार की चाल है, लिहाजा इसका राजनीतिक स्तर पर ही जवाब दिया जाएगा। दिलचस्प यह कि कांग्रेस हाई कमान ने इस निर्णय पर पहुंचने के लिए अपने विरोधियों द्वारा अपनाए जा रहे मॉडलों का ही सहारा लिया है। कांग्रेस हाई कमान का लगता है कि यदि सिद्धारमैया के खिलाफ कोई एक्शन लिया गया तो इसे भाजपा अपनी जीत के तौर पर पेश करेगी। वैसे सिद्धारमैया प्रकरण के पीछे कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान भी एक कारण है। पिछले साल कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद उप मुख्य मंत्री डी. के. शिवकुमार सीएम पद के प्रबल दावेदार थे। कांग्रेस को वोक्कलिगा वोट दिलवाने में उनकी अहम भूमिका थी। लेकिन कांग्रेस ने उन्हें यह कहकर सीएम नहीं बनाया कि उन पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। ऐसे ओबीसी कुरूबा समुदाय से आने वाले सिद्धारमैया की दूसरी बार लॉटरी लगी। कांग्रेस का एक खेमा राज्य में एससी/ एसटी समुदाय से मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहा है। जिस पर पार्टी ने ध्यान नहीं दिया है। अगर सिद्धा को पार्टी ऐसे ही बचाती रही तो कांग्रेस भी भीतरी असंतोष बढ़ेगा। सवाल उठने लगा है कि जब डीके शिवकुमार पर जो नियम लागू हुआ, वो सिद्धारमैया पर लागू क्यों नहीं। उसी तरह जो भाजपा आज सिद्धा से इस्तीफा मांग रही है, वह अपने ही पूर्व सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह पर नामी पहलवानों के यौन शोषण के मामले में चुप्पी साधे रही। अब वो सिद्धा से किस मुंह से इस्तीफा मांग रही है।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। वर्तमान में केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

पहल एक पेड़ मां के नाम का असर

10 पेड़ मां के नाम जिसमें पांच पेड़ आयुर्वेदिक पेड़ सम्मिलित किये गए, ऐसा सबकी अन्तश्चेतना का विषय बन गया तो यह देश जो वन क्षेत्र खो चुका है, उसकी भरपाई कर लेगा। यह देश हरित देश बन जाएगा। यह देश शुद्ध आक्सीजन और शुद्ध हवा से हमारे देश की बीमारियों को दूर करेगा। सबके लिए स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण से भर देगा। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहज ही यह सब करते हैं। उनके स्वाभाव से ऐसी बातें निकल जाती हैं। जब व्यक्ति समष्टि का हो जाता है तो ऐसा होता है। 5 जून, 2024 वैसा ही विश्व पर्यावरण दिवस था जैसा हर वर्ष आता है और इसे मना लिया जाता है। लेकिन इस साल दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में पीपल का पौधा लगाया तो उन्होंने कहा 'एक पेड़ मां के नाम'। प्रधानमंत्री ने पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों के महत्व पर ज़ोर दिया वह एक अभियान की शुरुआत का स्वरूप ले लिया।

भारत बदल रहा है। सोच से बदल रहा है। संवेदना से बदल रहा है। विचार से बदल रहा है और प्रकृति से बदलाव के लिए प्रयत्नशील है भारत, ऐसा अब देखने को मिल रहा है। 80 करोड़ पौधे रोपे गए हैं देश में। एक पेड़ मां के नाम, इसे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतःकरण से निकले अपनी भावना के रूप में प्रकट किया था। उन्होंने तो केवल 'एक पेड़ मां के नाम' कहा था। वह एक-एक कि भवना बन गया अब इस 140 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश में यह नारा अभियान बन गया। सबने पेड़ लगाये। सबने प्रकृति में पानी सींचा। सबने प्रकृति के लिए अपना अवदान दिया।

यदि आने वाले समय में यह विषय 10 पेड़ मां के नाम जिसमें पांच पेड़ आयुर्वेदिक पेड़ सम्मिलित किये गए, ऐसा सबकी अन्तश्चेतना का विषय बन गया तो यह देश जो वन क्षेत्र खो चुका है, उसकी भरपाई कर लेगा। यह देश हरित देश बन जाएगा। यह देश शुद्ध आक्सीजन और शुद्ध हवा से हमारे देश की बीमारियों को दूर करेगा। सबके लिए स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण से भर देगा। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहज ही यह सब करते हैं। उनके स्वाभाव से ऐसी बातें निकल जाती हैं। जब व्यक्ति समष्टि का हो जाता है तो ऐसा होता है। 5 जून, 2024 वैसा ही विश्व पर्यावरण दिवस था जैसा हर वर्ष आता है और इसे मना लिया जाता है। लेकिन इस साल दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में पीपल का पौधा लगाया तो उन्होंने कहा 'एक पेड़ मां के नाम'। प्रधानमंत्री ने पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों के महत्व पर ज़ोर दिया वह एक अभियान की शुरुआत का स्वरूप ले लिया। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह अभियान देश के सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है! यह अभियान पर्यावरण के प्रति अपना दायित्व निभाने के साथ-साथ माताओं के प्रति श्रद्धा और समर्पण भाव दर्शाने की एक अनूठी पहल है।

सतत विकास का इससे अच्छी पहल हो ही नहीं सकती थी। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान भारत की स्थायी और पर्यावरण के प्रति जागरूक भविष्य के लिए प्रतिबद्धता है। पर्यावरण संरक्षण के आह्वान और माताओं के प्रति सम्मान की भावना के साथ यह पहल नागरिकों को एक हरित पृथ्वी बनाने में अपना योगदान देने का सुअवसर है। इस अभियान की सफलता पूरे देश में लोगों को अपनी माताओं के सम्मान में एक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करने की भावना है। यह अभियान न सिर्फ प्रकृति, जीव-जंतु एवं मातृत्व की पोषण शक्ति के सम्मान का प्रतीक बन गया है, अपितु भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और स्थायी दुनिया का आश्वासन भी देता है।

80 करोड़ पौधा रोप दिए गए। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की मानें तो सितंबर 2024 तक 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 80 करोड़ पौधे लगा गए। निःसंदेह यह उपलब्धि सरकारी एजेंसियों, स्थानीय समुदायों और विभिन्न हितधारकों के सहयोग

और प्रयासों का परिणाम है, लेकिन पहल तो प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की है। एक महत्वपूर्ण बात सामने आई है कि हितधारकों ने इसे केवल अपनी औचारिकता पूर्ति के लिए यह 80 करोड़ पौधे लगा दिया है, ऐसा नहीं है अपितु इसे व्यापक मिशन बना दिया और इसके विश्व रिकॉर्ड भी बन गए। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत प्रादेशिक सेना की 128 इन्फैंट्री बटालियन और पारिस्थितिकी कार्य बल इकाई ने सिर्फ़ एक घंटे में 5 लाख से ज़्यादा पौधे लगाकर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की तो वहीं एक घंटे में एक टीम द्वारा लगाए गए सबसे ज़्यादा पौधे रोपड़ लोगों के बीच चर्चा के विषय बने हुए हैं। महिलाओं की एक टीम द्वारा एक घंटे में लगाए गए सबसे ज़्यादा पौधे, एक ही स्थान पर एक साथ सबसे अधिक संख्या में लोगों द्वारा पौधारोपण, जैसलमेर में प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ मां के नाम' और प्रादेशिक सेना की पहल, 'भागीदारी और ज़िम्मेदारी' के तहत विशेष पौधारोपण अभियान संचालित किया गया। इससे पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखना भी अब संभव हो रहा है साथ ही स्थानीय समुदायों के बीच पर्यावरण के प्रति जागरूकता का स्तर अच्छा देखने को मिल रहा है। वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा जो पौध रोपड़ को स्थान दिया गया उसकी अपनी अहमियत है। दूसरों में भी अब यह भावना बलवती होगी कि हमें ऐसे रिकॉर्ड बनाने चाहिए। हमें अच्छे कार्य करने चाहिए। हमें देश के लिए अपना समर्पण करना चाहिए।

विश्व में जलवायु परिवर्तन के मुद्दे काफी गहरा रहे हैं। सभी देशों में प्रतिस्पर्धा की विभिन्न होड़ दिख रही है। जलवायु के नाम पर सबको सांप सूँघ जाते हैं। अभी एसडीजी के मुद्दे को लेकर जो कोशिश है वह केवल मजाक बनकर रह गयी है। 80 करोड़ पौधे एसडीजी के लक्ष्य को हासिल करने में हमारे साथ खड़े होंगे। एसडीजी के लक्ष्य को लेकर हमारी दूसरी कोशिशें भले बहुत पीछे छुट गयी हों लेकिन प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की एक पेड़ मां के नाम वाली पहल से एसडीजी के लक्ष्य को भी हासिल किया जा सकेगा और इसको देश रेखांकित कर सकेगा। इस मायने में भी प्रधान मंत्री का एक वाक्य देश हित में हमारा मां बढ़ाने वाला बन गया है।

यह एक हरित भविष्य के लिए एक दृष्टिकोण वाला नारा बन गया एक पेड़ मां के नाम। यह एक सबके मन में सम्मान बढाने वाला विषय बन गया एक पेड़ मां के नाम। भारत में पेड़ों को लेकर किये गए आंदोलनों का अपना इतिहास है। उसकी अपनी पृष्ठभूमि है। महाराष्ट्र के मोहन धरिया को प्रकृति पुत्र कहा जाता था। सुन्दरलाल बहुगुणा को भी पेड़ों के लिए जाना जाता है। गौर देवी और चंडी भट्ट को भी पेड़ के रखवाले के रूप में जाना जाता है. ऐसे लोग पृथ्वी के लिए वरदान होते हैं। आज अब एक पेड़ मां के नाम से निकली एक लहर जब देश में 80 करोड़ पेड़ों को रोपकर जनमुहिम में बदल चुकी है तो नरेंद्र मोदी का नाम भी आदर्श अध्यायों में अंकित हो रहा है।

पर्यावरण सुरक्षा के लिए ऐतिहासिक लड़ाई लड़ी जा रही है। सम्पूर्ण विश्व में लड़ी जा रही है। भारत भी लड़ रहा है। लेकिन केवल यह लड़ाई हमारे भाषणों में हो और जमीनी स्तर पर न हो तो हमारे लिए यह एक भरम की स्थिति होती है कि हम मानें तो क्या मानें। लेकिन एक पेड़ मां के नाम तो जमीनी कार्य है। इस कार्य को अब सभी जानते हैं। देश में सबने पेड़ लगाया। देश में सबने पेड़ से अपनी पीढ़ी को बचाने में अपना योगदान दिया। इस मुहिम से 80 करोड़ लगे पेड़ इसके गवाह हैं।

अब आवश्यकता इस बात की है कि पेड़ जो लगे हैं, वे जी जाएँ। वे बचे रहें। वह प्रकृति में अपने हिस्से का आक्सीजन दें और इस पर्यावर्णीय संतुलन को हासिल करने में मदद करें। यदि पेड़ न जिए तो इसमें उनकी गलती नहीं इसलिए पेड़ के लिए इंसानों को अपना कर्त्तव्य निरावाहन करना है और बाद में जो पेड़ पूरी पृथ्वी को देंगे उसका आज भले अंदाजा न हो लेकिन आने वाले 50 से 500 साल तक उनसे जो मिलेगा उसे पीढियां महसूस करेंगी। भारत में इस मुहिम की निरंतरता भी इसलिए आवश्यक है, इससे फायदा देश को ही होगा चाहे आज की पीढ़ी माने या न माने। सम्पूर्णता में देखें तो एक पेड़ मां के नाम की मुहिम से नरेंद्र मोदी ने निःसंदेह भारत का भला किया है, यह एक सम्पूर्ण सत्य है।

दीर्घ जीवन एक दीर्घ अभिशाप न बन जाए

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

हम पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में वृद्धों को सम्मान दें, इसके लिये सही दिशा में चले, सही सोचें, सही करें। इसके लिये आज विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति की जरूरत है और इसी के लिये एक अक्टूबर को सम्पूर्ण विश्व में अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस मनाया गया। समाज और नई पीढ़ी को सही दिशा दिखाने और मार्गदर्शन के लिए वरिष्ठ नागरिकों के योगदान को सम्मान देने के लिए इस आयोजन का फैसला संयुक्त राष्ट्र ने 1990 में लिया था। इस दिन पर वरिष्ठ नागरिकों और बुजुर्गों का सम्मान किया जाता है। वरिष्ठों के हित के लिए चिन्तन भी होता है। प्रश्न है कि दुनिया में वृद्ध दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि हम पतन के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, उसकी आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलानी होगी। सुधार की संभावना हर समय है।

वृद्ध व्यक्तियों को सुखद एवं खुशहाल जीवन प्रदत्त करने के लिये हमें सर्वप्रथम तो उन्हें आर्थिक दृष्टि से स्वावलम्बी बनाने पर ध्यान देना होगा। बेसहारा वृद्ध व्यक्तियों के लिए सरकार की ओर से आवश्यक रूप से और सहज रूप मे मिल सकने वाली पर्याप्त पेंशन की व्यवस्था की जानी चाहिए। ऐसे वृद्ध व्यक्ति जो शारीरिक और मानसिक दृष्टि से स्वस्थ हैं, उनके लिए समाज को कम परिश्रम वाले हल्के-फुल्के रोजगार की व्यवस्था करनी चाहिए। वृद्धों के कल्याण के कार्यक्रमों को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए, जो उनमें जीवन के प्रति उत्साह उत्पन्न करे। अधिकांश युवाओं की सोच इस रूप में पुख्ता हो जाती है कि संयुक्त परिवार व्यक्तिगत उन्नति में बाधक होते हैं। चीजों की ललक में स्वहित इतने हावी हो जाते हैं कि संवेदनहीनता मानवीय रिश्तों की महक को क्षण में काफूर कर देती है और तन्हा बुढ़ापा घुटनभरी सांसों के साथ जीने को बाध्य हो जाता है। हमें समझना होगा कि अगर समाज के इस अनुभवी स्तंभ को यूं ही नजरअंदाज किया जाता रहा तो हम उस अनुभव से भी दूर हो जाएंगे, जो इन लोगों के पास है। वृद्ध दिवस मनाना तभी सार्थक होगा जब हम उन्हें परिवार में सम्मानजनक जीवन देंगे, उनके शुभ एवं मंगल की कामना करेंगे।

आज का वृद्ध समाज-परिवार से कटा रहता है और सामान्यतः इस बात से सर्वाधिक दुःखी है कि जीवन का विशद अनुभव होने के बावजूद कोई उनकी राय न तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को महत्व देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमितय न समझे जाने के कारण हमारा वृद्ध समाज दुःखी, उपेक्षित एवं त्रासद जीवन जीने को विवश है। वृद्ध समाज को इस दुःख और कष्ट से छुटकारा दिलाना आज की सबसे बड़ी जरुरत है। आज हम बुजुर्गों एवं वृद्धों के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह करने के साथ-साथ समाज में उनको उचित स्थान देने की कोशिश करें ताकि उम्र के उस पड़ाव पर जब उन्हे प्यार और देखभाल की सबसे ज्यादा जरूरत होती है तो वो जिंदगी का पूरा आनंद ले सके। वृद्धों को भी अपने स्वयं के प्रति जागरूक होना होगा, जैसाकि जेम्स गारफील्ड ने कहा भी है कि यदि वृद्धावस्था की झूर्रियां पड़ती है तो उन्हें हृदय पर मत पड़ने दो। कभी भी आत्मा को वृद्ध मत होने दो।'

प्रश्न है कि आज हमारा वृद्ध समाज इतना कुंठित एवं उपेक्षित क्यों है? अपने को समाज में एक तरह से निष्प्रयोज्य समझे जाने के कारण वह सर्वाधिक दुःखी रहता है। वृद्ध समाज को इस दुःख और संत्रास से छुटकारा दिलाने के लिये ठोस प्रयास किये जाने की बहुत आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र ने विश्व में बुजुर्गों के प्रति हो रहे दुर्व्यवहार और अन्याय को समाप्त करने के लिए और लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस मनाने का निर्णय लिया। वृद्धों की समस्या पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में सर्वप्रथम अर्जेंटीना ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया था। तब से लेकर अब तक वृद्धों के संबंध में अनेक गोष्ठियां और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन हो चुके हैं। वर्ष 1999 को अंतर्राष्ट्रीय बुजुर्ग-वर्ष के रूप में भी मनाया गया। इससे पूर्व 1982 में 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' ने 'वृद्धावस्था को सुखी बनाइए' जैसा नारा दिया और 'सबके लिए स्वास्थ्य' का अभियान प्रारम्भ किया गया।

एक पेड़ जितना ज्यादा बड़ा होता है, वह उतना ही अधिक झुका हुआ होता हैय यानि वह उतना ही विनम्र और दूसरों को फल देने वाला होता है, यही बात समाज के उस वर्ग के साथ भी लागू होती है, जिसे आज की तथाकथित युवा तथा उच्च शिक्षा प्राप्त पीढ़ी बूढ़ा कहकर वृद्धाश्रम में छोड़ देती है। आदमी जीवनमूल्यों को खोकर आखिर कब तक धैर्य रखेगा और क्यों रखेगा जब जीवन के आसपास सबकुछ बिखरता हो, खोता हो, मिटता हो और संवेदनाशून्य होता हो। आज के समाज में मध्यम वर्ग में भी वृद्धों के प्रति स्नेह की भावना कम हो गई है। डिजरायली का मार्मिक कथन है कि यौवन एक भूल है, पूर्ण मनुष्यत्व एक संघर्ष और वार्धक्य एक पश्चाताप।' वृद्ध जीवन को पश्चाताप का पर्याय न बनने दे।

वृद्धावस्था जीवन का अनिवार्य सत्य है। जो आज युवा है, वह कल बूढ़ा भी होगा ही, लेकिन समस्या की शुरुआत तब होती है, जब युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों को उपेक्षा की निगाह से देखने लगती है और उन्हें अपने बुढ़ापे और अकेलेपन से लड़ने के लिए असहाय छोड़ देती है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। इसीलिये सिसरो ने कामना करते हुए कहा था कि जैसे मैं वृद्धावस्था के कुछ गुणों को अपने अन्दर समाविष्ट रखने वाला युवक को चाहता हूं, उतनी ही प्रसन्नता मुझे युवाकाल के गुणों से युक्त वृद्ध को देखकर भी होती है, जो इस नियम का पालन करता है, शरीर से भले वृद्ध हो जाए, किन्तु दिमाग से कभी वृद्ध नहीं हो सकता।' वृद्ध लोगों के लिये यह जरूरी है कि वे वार्धक्य को ओढ़े नहीं, बल्कि जीएं।

बड़े शहरों में परिवार से उपेक्षित होने पर बूढ़े-बुजुर्गों को 'ओल्ड होम्स' में शरण मिल भी जाती है, पर छोटे कस्बों और गांवों में तो ठुकराने, तरसाने, सताए जाने पर भी आजीवन घुट-घुट कर जीने की मजबूरी होती है। यद्यपि 'ओल्ड होम्स' की स्थिति भी ठीक नहीं है। पहले जहां वृद्धाश्रम में सेवा-भाव प्रधान था, पर आज व्यावसायिकता की चोट में यहां अमीरों को ही प्रवेश मिल पा रहा है। ऐसे में मध्यमवर्गीय परिवार के वृद्धों के लिए जीवन का उत्तरार्द्ध पहाड़ बन जाता है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं महिला वृद्ध एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। पर कौन सोचता है, किसे फर्सत है, वृद्धों की फिक्र किसे हैं? भौतिक जिंदगी की भागदौड़ में नई पीढ़ी नए-नए मुकाम ढूंढने में लगी है, आज वृद्धजन अपनो से दूर जिंदगी के अंतिम पड़ाव पर कवीन्द्र-रवीन्द्र की पंक्तियां गुनगुनाने को क्यों विवश है- 'दीर्घ जीवन एकटा दीर्घ अभिशाप', दीर्घ जीवन एक दीर्घ अभिशाप है।

गांधी जयंती और दो दुखद प्रसंग

सामयिक

सुसंस्कृति परिहार

लेखिका और कवयित्री

पिछले दो अक्तूबर को गांधी जयंती पर दो ख़बरों ने प्रत्येक गांधी अनुरागी को विशुब्ध और उदास कर दिया। पहली दुखदाई घटना थी लद्दाख के सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और उनके साथ लेह से दिल्ली तक पैदल चल रहे सौ से अधिक पदयात्रियों की गिरफ्तारी। विदित हो इस यात्रा में अस्सी वर्षीय पुरुष और 75वर्षीय बुजुर्ग महिला भी शामिल हैं जो 700 किमी की पदयात्रा पूर्ण कर राजधानी दिल्ली में गांधी समाधि राजघाट जाकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करना चाह रहे थे। दिल्ली में उनके पहुंचने से पूर्व धारा 163 लगा दी गई तथा उन्हें अवज्ञा के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।

वस्तुतः 'लेह एपेक्स बॉडी' ने 'करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस' के साथ मिलकर 'दिल्ली चल' पदयात्रा का आयोजन किया था, जो पिछले चार साल से लद्दाख को राज्य का दर्जा दिलाने, संविधान की छठी अनुसूची में इसे शामिल करने और अन्य मांगों को लेकर आंदोलन कर रहा है।सोनम वांगचुक इससे पूर्व मार्च में 21दिन का आमरण अनशन -11डिग्री तापमान में लेह के खुले आसमां तले कर चुके थे। लेकिन इस केंद्र शासित प्रदेश पर भारत सरकार की इनायत नहीं हुई तो उन्होंने दिल्ली का रुख किया था।

शर्मनाक यह है भारत सरकार इन सैंकड़ा भर लद्दाखियों से डर गई ।इनके साथ किसानों की तरह वादाखिलाफी की गई।उसे भारत सरकार को वे याद दिलाना चाहते थे। पर उन्हें सिंघु बार्डर पर भारी तादाद में जमा दिल्ली पुलिस ने घेर कर गिरफ्तार कर लिया।

लद्दाख से सांसद हजी हनीफा जन, सोनम वांगचुक को सिंघु बॉर्डर पर हिरासत में लेने पर उनके साथियों ने अलोकतांत्रिक बताते हुए उन्हें रिहा करने की मांग की। प्रेस क्लब में आयोजित वार्ता में वांगचुक को समर्थन कर रही संस्था एपेक्स के सह संस्थापक टिजरिंग दोर्जय ने कहा कि लद्दाख में दो सांसद सीट, विधायिका स्थापना, भर्तियां शुरू करना और संविधान की अनुसूची छह के अंतर्गत लद्दाख को लाना जैसी उनकी मांगें हैं। इधर प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी ने इस कृत्य को अलोकतांत्रिक बताया है तो आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने भी इसकी घोर निन्दा की है।

गांधी जयंती पर गांधीवादी अहिंसक आंदोलन करते हुए सोनम वांगचुक और साथियों के साथ जो कृत्य भारत-सरकार ने किया उसका खामियाजा किसान आंदोलन की तरह ही इस सरकार को भुगतना पड़ सकता है। राष्ट्रपिता की समाधि पर जाने से रोकना अक्षम्य अपराध है।बापू तो चंद लोगों को छोड़कर सबके प्यारे हैं।मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंच गया है। वहीं सत्य अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी जिनकी जन्मजयंती दुनियां अहिंसा दिवस के रुप में मनाती है उसकी पूर्वसंध्या पर इज़राइल ने अनगिनत मिसाइल दागे वा बम गिरा के लेबनान के नेता को खत्म कर दिया तथा हज़ारों लोगों को मौत के मुंह में डाल दिया।इससे फिलीस्तीन समर्थक ईरान ने भी आक्रोशित होकर इज़राइल पर ज़बरदस्त हमला कर दिया। इससे शांति प्रिय राष्ट्र भी परेशान हैं और इसे अगामी विश्वयुद्ध के रुप में देखने लगे हैं।जैसा कि सर्वविदित है इज़राइल के सिर पर अमरीका का वरदहस्त है और उसी के इशारे और हथियारों की आपूर्ति से फिलीस्तीन के गाज़ा को नेस्तनाबूद किया गया।अब उसका निशाना शेष बचे फिलीस्तीन के साथ खड़े देशों से हैं उनमें लेबनान ईरान प्रमुख हैं।दुख इस बात का भारत समेत शेष अरब देश अमरीकी जाल में बुरी तरह जकड़े हुए हैं इसलिए प्रतिरोध व्यक्त नहीं कर पाते उससे युद्ध करना तो दूर की बात है। ईरान लड़ने की बात कह रहा है किंतु भयावह होगा यह मंज़र।ईराक की तरह कहीं ईरान जैसा विकसित हमारा मित्र देश तबाह ना हो जाए।

अमरीका पेंटागन के सहारे दुनियां का सिरमौर बना हुआ।उसका लक्ष्य हथियार बेचना है जिसके लिए वह इज़राइल जैसे राष्टों की मदद के साथ हथियार बिक्री बढ़ाता रहता है हाल की पीएम ने अमेरिका यात्रा में उसे खुश रखने हथियार खरीदी का समझौता किया है। इससे साफ़ ज़ाहिर है कि उसे सिर्फ और सिर्फ अपने हथियार बेचने से मतलब है। इसके साथ ध्वंस किए राष्टों के पुनर्निर्माण के बहाने अपने बाज़ार को बढ़ाना है। आर्थिक आज़ादी का हरण करना है।

ये घटनाएं बहुत दुखद है। यह बात और भी कष्टप्रद है कि यह सब अहिंसा दिवस को हुआ है। गांधी जी के सत्याग्रह आंदोलन को जब उनके अपने देश में कुचला जा रहा है क्या कोई इतने अवसाद के क्षणों में प्रतिकार नहीं करेगा। बापू हम सब दुखी मन से क्षमा प्रार्थी है।जो इनके ख़िलाफ़ शक्ति जुटाएं उन्हें आशीष दें।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

पूरन सरमा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

पुरस्कार का बोझ

इस बार पुरस्कार के 'नार्म्स' फिर बदल गये थे। अच्छा लेखन इस बार फिर पुरस्कार की कसौटी पर नहीं था। निर्णायक समिति ने निश्चय किया था-इस बार पुरस्कार जरूरतमंद और दरिद्र साहित्यकार को दिया जाए। इसके लिए रूग्ण और अनाथ साहित्यकार खोजा जा रहा था। मैं फिर मात खा गया था। एक साल और ढ़ील दी जाती तो मैं ये दोनों विशेषतायें वातावरण तैयार कर अपने पक्ष में कर लेता, परन्तु अगले वर्ष का बिलकुल भी पता नहीं था कि पुरस्कार की भीख किस आधार पर दी जायेगी ? इस बार करूणासागर 'निर्धन' का नाम उछल रहा था। लोग कह रहे थे वाकई उन्हें पुरस्कार दिया जाना चाहिए, वे हर तरह से योग्य हैं। निर्धन इतने कि बीमार का इलाज नहीं करवा पा रहे और अनाथ इसलिए कि शराब की बुरी लत के कारण इकलौते पुत्र ने उन्हें घर से निकाल दिया था। इसलिए पुरस्कार के लिए उनके समग्र लेखन को देखा जा रहा था।

निर्धन जी मेरे घनिष्ठ हैं। एक दिन सुबह-सुबह आ गये और बोले- 'शर्मा अकादमी का पुरस्कार इस बार किसकी झोली में जा रहा है?'

मैं बोला-'पुरस्कार के असली हकदार तो आप ही हैं। इस बार लेखन कसौटी पर नहीं है, उम्र का अनुभव व साहित्यकार की जरूरतों पर पुरस्कार दिया जा रहा है। ईश्वर ने चाहा तो आपकी टक्कर में कोई दूसरा नहीं टिक पायेगा। आप तो ऊपर वाले पर भरोसा रखिये।'

निर्धन जी मंद स्वर में बोले-'लेकिन यार यह भी कोई आधार होता है क्या साहित्य के पुरस्कार का ? उत्कृष्ट लेखन पुरस्कार की सही कसौटी होता है। आजकल यह विपन्नता अथवा बिलो पावरटी लाइन का चक्कर क्यों चल गया है।'

'सरकार बीपीएल (बिलो पावरटी लाइन) वालों को विशेष सुविधायें देने पर तुली है। अच्छा हुआ आप बीपीएल में आ गये, वरना वर्षों तक नम्बर नहीं आता। देखते नहीं, साहित्यकार किस कदर विपन्नता को अपनाने की होड़ में लगे हैं। न ढ़ंग से खाना, पहनना, रहना अथवा स्तर। बस बेतरतीब जीवनशैली अपनाकर अच्छे-भले जीवन को बीपीएल की तरफले जा रहे हैं। अब सरकार जो करेगी, वही तो करेंगे साहित्यकार। निर्णायक समिति को तनिक इशारा कर दिया कि बीपीएल वालों का ध्यान रखना। इससे 'गरीबी हटाओ' नारे को भी बल मिला है। पुरस्कार तो एक बहाना है वरना लेखन के आधार पर निर्धन जी आपसे भी ज्यादा धाँसू साहित्यकार बैठे हैं।' मैं बोला।

निर्धन जी ने अपना सिर पकड़ा और बोले-'यार शर्मा लेकिन इसमें इतना तनावग्रस्त होने की क्या बात है है। मैं तो खुद कह रहा हूँ कि पुरस्कार इस तरह नहीं देना चाहिए। तुमने तो उलटा मुझे ही खामख्वाह भाषण पिला दिया। भाई मेरे कहने का आशय यह है कि पुरस्कार पुस्तक पर दिया जाए। मेरी तो आज तक कोई पुस्तक भी प्रकाशित नहीं हो पाई है।' 'लेकिन यदि आपको पुरस्कार दिया जा रहा है तो आपत्ति क्या है ? निर्णायक समिति कोई बेवकूफतो है नहीं जो आपको यों ही पुरस्कार दे देगी। कोई-न-कोई विशेषता तो आप में है, वरना हमें क्यों नहीं दिया जा रहा ?'

'लेकिन काफी पहले मेरे पास इस समय की तरह कोई किताब भी तो नहीं थी-मेरा यह कहना क्या हास्यास्पद नहीं लगेगा ?' निर्धन जी पुरस्कार को लेकर पसोपेश में थे। एक पल को तो मैं भी सन्नाटे में आ गया, परन्तु मैं बीपीएल की बात भूल चुका था और पुरस्कार पाने की लालसा भीतर सिर उठाने लगी थी। मुझे लग रहा था-यदि निर्धन जी पुरस्कार के लिए मना ही कर दें तो रचनात्मक लेखन के आधार पर अकादमी मुझे पुरस्कृत कर सकती है और इक्कीस हजार रूपये की राशि मैं कबाड़ सकता हूँ। मुँह में इक्कीस हजार का पानी देखकर करूणासागर 'निर्धन' बोले-'क्या यह पुरस्कार तुम्हें नहीं मिल सकता शर्मा ?'

'मिल तो क्यों नहीं सकता। लेकिन इस निर्णायक समिति को कौन समझाये ? बीपीएल के चक्कर में फँसी हुई है। ऐसा करो आप स्वयं मेरे नाम का प्रस्ताव भेजो, तब उनकी समझ में आयेगा कि आप पुरस्कार लेने के मूड में नहीं हैं।'

मैंने कहा तो निर्धन जी बोले-'यह ठीक है भाई शर्मा। मैं नहीं लूँगा यह पुरस्कार। मुझे नहीं लगता कि मैं पुरस्कार के काबिल भी हूँ।'

मैं गद्गद हो गया और निर्धन जी को चाय-नाश्ता करवाकर विदा किया। जाते समय वे बहुत प्रसन्नता से भरे हुए थे। जैसे उनके सिर से कोई बोझ उतर गया था। मुझे पुरस्कार लेने में कोई भार महसूस नहीं था, इसलिए मैं इसके लिए पूरी तरह तैयार था। करूणासागर 'निर्धन' के स्वाभिमान के सामने मेरा लेखन मुझे एक बार बोदा तो लगा परन्तु बीपीएल के नीचे नहीं होने के बावजूद मैं इक्कीस हजार की राशि प्राप्त करने को बहुत बेताब था। इस वजनी पुरस्कार के लिए मैं काफी समय से जोड़-तोड़ कर रहा था। परन्तु निर्धन जी अजीब हैं। इक्कीस हजार को ठोकर मार रहे हैं, कमाल के आदमी हैं।

नवरात्रि विशेष

डॉ. लोकेन्द्रसिंह कोट

लेखक स्तंभकार हैं।

नौ स्वरूपों में समाया है जीवन चक्र और निरामय की संकल्पना

त्यौहार हमारे जीवन से सीधे-सीधे जुड़े हैं और प्राचीन परम्पराओं में ईश्वर की आराधना को प्रतीकों और संप्रतीकों से जोड़कर कथाएँ, पूजाएँ, आराधनाएँ, परिधान, श्रृंगार, प्रकृति आदि को अभिव्यक्त किया जाता रहा है। इसलिए हमारे देश में हर तिथि कहीं न कहीं एक त्यौहार के रूप में मनाई जाती है। एकम, दूज, तीज.....एकादशी से लेकर पूर्णिमा और अमावस्या को भी त्यौहार में निरूपित किया गया है। जीवन का हर दिन उत्सव है यही हमारी संस्कृति कहती है। शिव, गणेश, लक्ष्मी, पार्वती, राम, हनुमान, दुर्गा, कृष्ण, राधा, कुबेर, चंद्रमा, सूर्य, विष्णु, वराह, भैरव आदि-आदि शक्ति, ऊर्जा, ध्यान, वात्सल्य, वीरता, सद्भावना, करुणा के प्रतीकों की पूजा-आराधना भिन्न-भिन्न स्वरूप में की जाती है। हर त्योहार अपने में लाता है उल्लास के साथ अपने गूढ़ रहस्य जो जीवन को नया आयाम देते हैं। यही विभिन्न रसों की विविधता हमें बार-बार जीवंतता की ओर धकेलती है और जीवन की एक जैसी शैली को विभक्त कर मन को सराबोर कर देती है। जैसे जीवन में हर अंक का महत्व है वैसे ही नौ का अंक भी हमारी संस्कृति में सीधे-सीधे शक्ति से जुड़ा है। दुर्गा के नौ स्वरूपों की व्याख्या प्रकृति के साथ मानव जीवन के अस्तित्व से भी जुड़ी है।

मानव जीवन को प्रतीकात्मक रूप से नौ हिस्सों में बॉटा गया है और उसके साथ नौ वृक्ष जो मानव शरीर को नवरूप प्रदान करते हैं, से जोड़ा गया है। इसी में नवरात्रि का संकल्प निहित है कि यह नौ दिन जीवन की कायाकल्प के लिए हैं और जीवन की नश्वरता की ओर भी संकेत है। एक स्वप्न की भॉति जीवन चलता है और उसकी सार्थकता तभी है जब हम इस सृष्टि को और बेहतर बनाए। जीवन में शक्ति को नौ दुर्गा के रूप में अभिव्यक्त किया गया है। शरीर की रक्षा के लिए भी कोई कवच चाहिये होता है ताकि रोग, व्याधि से दूर रहकर जीवन को संतुलित किया जा सके। नौ स्वरूपों में नौ औषधियों को समाहित किया गया है जो जीवन को अमरता की ओर ले जाती है। नवदुर्गा के नौ औषधि स्वरूपों को सर्वप्रथम मार्कण्डेय चिकित्सा पद्धति के रूप में दर्शाया गया और चिकित्सा प्रणाली के इस रहस्य को दुर्गा कवच कहा गया है।

शैलपुत्री – देवी शैलपुत्री को बाल रूप माना गया हैं। जैसे शैलपुत्री अपने पिता 'शैल' यानि पर्वतराज हिमालय के नाम से जानी जाती हैं वैसे ही बाल रूप में बालक भी अपने माता-पिता के नाम से जाने जाते है। देवी का ये रूप नवजात बालिका का प्रतीक है जो निश्छलता, स्निग्धता, ममता, वात्सल्य का प्रतीक होकर जीवन में समाया रहता है। कई प्रकार की समस्याओं में काम आने वाली औषधि हरड़, हिमावती है जो देवी शैलपुत्री का ही एक रूप हैं। यह आयुर्वेद की प्रधान औषधि है, जो सात प्रकार की होती है। इसमें हरीतिका भय को हरने वाली है। पथया - जो हित करने वाली है। कायस्थ - जो शरीर को बनाए रखने वाली है। अमृता - अमृत के समान। हेमवती - हिमालय पर होने वाली। चेतकी - चित्त को प्रसन्न करने वाली है। श्रेयसी - कल्याण करने वाली।

ब्रह्मचारिणी – देवी का यह रूप है ब्रह्मचारिणी, बचपन के बाद के काल को ब्रह्मचर्य काल कहलाता है जिसमें शिक्षा लेकर ज्ञान को बढ़ाते हैं।

ज्ञान की प्रतीक ब्रह्मचारिणी हमारी जिज्ञासा, तन्मयता, आज्ञा, कांति, आभा, जागरूकता को दर्शाती है। ब्रह्मचारिणी यानि औषधि ब्राह्मी भी होता है।. ब्राह्मी, नवदुर्गा का दूसरा रूप ब्रह्मचारिणी है। यह आयु और स्मरण शक्ति को बढ़ाने वाली मन एवं मस्तिष्क में शक्ति प्रदान करती है तथा रुधिर विकारों का नाश करने वाली और स्वर को मधुर करने वाली है। इसलिए ब्राह्मी को सरस्वती भी कहा जाता है।

चंद्रघंटा– देवी का यह स्वरूप युवा अवस्था का प्रतीक है। देवी के इस रूप की दस भुजाएं दर्शाती हैं कि यही वह समय होता है जब समाज, परिवार, मित्र, नाते-रिश्ते और स्वयं की अपेक्षाएँ रहती है कि सभी के लिए अपना श्रेष्ठ दे सकें। दस भुजाएँ दस गुण को दर्शाती है जैसे शुद्धता, विश्वास, अच्छे कार्य, सामंजस्य, संयम, धैर्य, विनम्रता, ईमानदारी, विवेक, संघर्षशीलता। नवदुर्गा का यह रूप है चंद्रघंटा, इसे चन्दुसूर या चमसूर कहा गया है। यह एक ऐसा पौधा है जो धनिये के समान है। इस पौधे की पत्तियों की सब्जी बनाई जाती है, जो लाभदायक होती है। यह औषधि मोटापा दूर करने में लाभप्रद है, इसलिए इसे चर्महन्ती भी कहते हैं। शक्ति को बढ़ाने वाली, हृदय रोग को ठीक करने वाली चंद्रिका औषधि है।

कुष्मांडा– इस रूप में माता के हाथ में एक घड़ा होता है जिसे गर्भ का प्रतीक माना जाता है। यानि माता का ये रूप गर्भवती महिला का प्रतीक है। यह जिम्मेदारी, कर्तव्यनिष्ठा, परोपकार, ममता, आनंद, सामंजस्य का भी प्रतीक है। नवसृजन की यह भावना सारे संसार को आगे बढ़ाती है। औषधी के रूप में कुष्माण्डा यानि कुम्हड़ा. नवदुर्गा का चौथा रूप है। इस औषधि से पेठा मिठाई बनती है। कुम्हड़ा पुष्टिकारक, वीर्यवर्धक व रक्त के विकार को ठीक कर पेट को साफ करने में सहायक है।

मानसिक रूप से कमजोर व्यक्ति के लिए यह अमृत समान है। यह शरीर के समस्त दोषों को दूर कर हृदय रोग को ठीक करता है। कुम्हड़ा रक्त पित्त एवं गैस को दूर करता है।

स्कंदमाता – देवी का यह स्वरूप मां बनने के बाद संतति के श्रेष्ठ पालन-पोषण को प्रदर्शित करता है। मां ही संस्कारों को देने वाली होती है और जैसे संस्कार होंगे वैसे ही संतानें अपना जीवन-यापन करती हैं। एक मां जीजाबाई बनकर शिवाजी का निर्माण कर सकती है तो झांसी की रानी बनकर लड़ाई भी लड़ सकती है। यह माँ शिक्षक और संरक्षक होती है। स्कन्द कुमार या कार्तिकेय जिन्हें दक्षिण भारत में मुरुगन कहते हैं, उनकी माता के रूप में स्कंदमाता की आराधना होती है और इनकी गोद में स्कन्द कुमार होते हैं। यह माँ की ही शिक्षा थी कि उन्हें तारकासुर वध के लिए तैयार करती है। अगली पीढ़ी के निर्माण एक माँ की अहम भूमिका होती है। यह वीरता, साहस, अक्षुण्यता, अस्मिता, अस्तित्व को प्रकट करती है। औषधी के रूप में अलसी में विद्यमान हैं। यह वात, पित्त, कफ, रोगों की नाशक औषधि है। तीन विकृतियों से दूर करने वाली स्कंदमाता को परिपक्व स्वरूप में दर्शाया

कात्यायनी– देवी कात्यायनी ऋषि कात्यायन की पुत्री होकर आध्यात्म के साथ शक्ति का परिचय प्रस्तुत करती है और महिषासुर जैसे अधर्म का नाश करती है। यहॉ यह प्रदर्शित होता है कि आध्यात्म जहॉ दूसरो से करूणा, दया, सद्भाव, विनम्रता रखने के लिए ही प्रेरित नहीं करता वरन आवश्यकता पड़ने पर शोर्य भी सिखाता है। देवी कात्यायनी को आयुर्वेद में कई नामों से जाना जाता है जैसे अम्बा, अम्बालिका, अम्बिका। इसके अलावा इसे मोइया अर्थात माचिका भी कहते हैं। यह कफ, पित्त, अधिक विकार एवं कंठ के रोग का नाश करती है।

कालरात्रि– देवी कालरात्रि या माँ काली का होता जो चण्डी के रूप में होती हैं। जब-जब सीमाएँ लांघी जाती है तब-तब देवी कालरात्रि का अवतरण होता है। जब भी पानी उफान पर होता है तो अपने तटबंध तोड़ देता है और बाढ़ में बदल जाता है, ऐसे ही अन्याय अपनी सीमा से बाहर होता है तो जो मां करूणा, दया, सद्भाव से भरी थी उसे चण्डी बनने में भी देर नहीं लगती है। समाज में ऐसे कई उदाहरण है। जब तक हम अपने अहंकार को अलग नहीं रखते शिव जैसा एकात्म नहीं ला सकते। वैसे शिव बनकर ही देवी के इस रूप को शांत किया जा सकता है। कालरात्रि जिन्हें महायोगिनी, महायोगेश्वरी कहा गया है। यह नागदौन औषधि के रूप में जानी जाती है। सभी प्रकार के रोगों की नाशक सर्वत्र विजय दिलाने वाली मन एवं मस्तिष्क के समस्त विकारों को दूर करने वाली औषधि है। इस पौधे को व्यक्ति अपने घर में लगाने पर घर के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। यह सुख देने वाली एवं सभी विषों का नाश करने वाली औषधि है।

महागौरी– देवी महागौरी वह स्वरूप है जहॉ सरलता, सहजता, समर्पण है। जब देवी तमाम दुर्भावनाओं और कालिमा जैसे क्रोध, हिंसा जैसी शक्तियों का सामना कर के उस से आगे निकल जाती है, तब महागौरी का उद्भव होता है। महागौरी वानप्रस्थ के बाद को चित्रित करती है जहॉ अनुभव से प्राप्त दृढ़ता और अनुशासन के साथ आत्मज्ञान की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता दिखाई देता है। यह स्थिति गांभीर्य के साथ बालसुलभ भोलेपन को भी दर्शाता है। महागौरी जिसे प्रत्येक व्यक्ति औषधि के रूप में जानता है क्योंकि इसका औषधि नाम तुलसी है जो प्रत्येक घर में लगाई जाती है। तुलसी सात प्रकार की होती है. सफेद तुलसी, काली तुलसी, मरुता, दवना, कुढेरक, अर्जक और षटपत्र। ये सभी प्रकार की तुलसी रक्त को साफ करती है एवं हृदय रोग का नाश करती है।

सिद्धिदात्री– देवी सिद्धिदात्री सौम्य रूप धारण कर लेती है तब उसके लिए सिद्धि के मार्ग खुल जाते हैं और वह माँ सिद्धिदात्री बन के परम निर्वाण का आशीर्वाद देने वाली माँ हो जाती है। यह सन्यास आश्रम को अभिव्यक्त करता है। इनसे तृप्ति, वैराग्य, आत्मज्ञान, विरक्ति, फलीभूत होते हैं और आशीर्वाद के साथ तमाम सिद्धी के मार्ग खुल जाते हैं। सिद्धिदात्री जिन्हें नारायणी या शतावरी कहते हैं। शतावरी बुद्धि बल एवं वीर्य के लिए उत्तम औषधि है। यह रक्त विकार एवं वात पित्त शोध नाशक और हृदय को बल देने वाली महाऔषधि है।

प्रकृति और औषधी के विभिन्न रूपों को देवी का ही स्वरूप देने के पीछे वात्सल्य भाव है जो देवी में ही सर्वाधिक परिलक्षित होता है। इस तरह से देवी के रूपों को पहचानने और उनकी आराधना करने के पीछे कारणों के हेतु न केवल वैज्ञानिक हैं वरन् मानव जाति को सुरक्षित, भयमुक्त, स्वस्थ्य, निर्विकार रखना भी रहा है।

जयंती विशेष

गौरव अवस्थी

श्यामजी कृष्ण वर्मा ने ही विदेशों में जगाई क्रांति की अलख

2 अक्टूबर को गांधी जयंती तो सब मनाते हैं लेकिन 4 अक्टूबर किसी को भी याद नहीं रहती। महात्मा गांधी ने जहां जन्म लिया उसी गुजरात के कच्छ क्षेत्र के मांडवी नगर के पास वलायल गांव में एक कुशाग्र बुद्धि बालक का जन्म हुआ, जो कम उम्र में ही संस्कृत में धारा प्रवाह भाषण देता था। इसीसे प्रभावित होकर एक अंग्रेज संस्कृत अध्यापक उसे इंग्लैंड बुला लेता है। यही बालक दुनिया के प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से स्नातक और बैरिस्टरी पास करने वाला प्रथम भारतीय बनता है। अपने एक लेख 'भारत में लेखन का उद्गम' के आधार पर ही रॉयल एशियाटिक सोसाइटी का सदस्य भी चुना जाता है। यह तो उस बालक की प्रतिभा का एक रूप है। उनका दूसरा रूप भारत की स्वाधीनता को लेकर विदेश खासकर उसी इंग्लैंड में क्रांति की ज्वाला धधकाने से जुड़ा है, जिसने उनके अपने देश को दशकों से गुलाम बना रखा था।

इस क्रांतिदूत का नाम है श्यामजी कृष्ण वर्मा। अंग्रेजों के अत्याचार से दुखी होकर ही भारत छोड़कर इंग्लैंड जाने वाले श्यामजी कृष्ण वर्मा ने भारतीय छात्रों की आवासीय व्यवस्था के लिए उस इंडिया हाउस की स्थापना की जो आज 'क्रांति तीर्थ' के नाम से जाना जाता है। इसी इंडिया हाउस में भारत के प्रथम स्वाधीनता संग्राम से जुड़ी तारीख 10 मई को हर साल 'गदर दिवस' मनाया जाता था। यहां बम बनाने और पिस्तौल चलाने पर व्याख्यान होते थे। वीर सावरकर ने यही 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास लिखा। भारतीय स्वाधीनता संग्राम के वह अकेले क्रांतिकारी हैं, जिनकी इंग्लैंड के इंडिया हाउस के बाहर अपनी धर्मपत्नी के साथ आदमकद मूर्ति स्थापित है। पिछले दिनों भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी क्रांति धर्मी दंपति की प्रतिमाओं के समक्ष माथा टेकने पहुंचे थे।

4 अक्टूबर 1857 को जन्मे श्याम जी कृष्ण वर्मा एक साधारण परिवार में जन्मे थे लेकिन प्रतिभा का ही प्रभाव था कि उनका विवाह मुंबई के एक करोड़पति सेठ की कन्या भानुमति से हुआ। कई भाषाओं के प्रकांड विद्वान श्यामजी कृष्ण वर्मा 1884 में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से बैरिस्टरी पास करने के बाद भारत लौट आए। यहां कई रियासतों मैं उन्हें अपने-अपने यहां दीवान या अन्य महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त करने की होड़ मची रही लेकिन प्रतिभाशाली वर्मा का रियासतों में काम करने में मन नहीं लगा और वह मुंबई में

बैरिस्टरी करने लगे।

पुणे में अंग्रेज पुलिस कमिश्नर रेंड की हत्या करने के अपराध में चाफेकर बंधुओं को फांसी की सजा दिए जाने से क्षुब्ध श्यामजी कृष्ण वर्मा ब्रिटेन में भारत की स्वाधीनता संग्राम को लेकर सक्रिय हुए। 12 मई 1897 को बालकृष्ण चाफेकर की फांसी के अगले महीने पुणे में एक बड़ा बम विस्फोट हुआ। इस विस्फोट के पीछे श्यामजी कृष्ण वर्मा का ही हाथ था, जो दुश्मन के घर में बैठकर क्रांति की योजनाओं का संचालन कर रहे थे। भारतीयों में क्रांति की अलग जागने के लिए ही श्यामजी कृष्ण वर्मा ने 1904 में अपनी तरफ से दो 2000-2000 की 6 फेलोशिप भारतीय छात्रों को देने की घोषणा की। भारतीय स्वाधीनता संग्राम के नायक विनायक दामोदर सावरकर भी उन्हीं की छात्रवृत्ति के आधार पर इंग्लैंड शिक्षा प्राप्त करने पहुंचे थे। लाला हरदयाल और महान क्रांतिकारी मदन सिंह ढींगरा भी उन्हीं की प्रेरणा से भारतीय स्वाधीनता क्रांति के दूत बने।

श्यामजी कृष्ण वर्मा ने ही 1905 में इंडियन सोशलिस्ट नामक पत्रिका प्रारंभ की। इस पत्रिका के माध्यम से भी वह विदेश में रह रहे भारतीयों में भारत की आजादी की अलग जागते थे। 18 फरवरी 1905 को उन्होंने 20 भारतीयों के साथ मिलकर इंडियन होमरूल सोसाइटी की स्थापना की। यही वह समिति थी, जिसने कांग्रेस से पहले पूर्ण स्वाधीनता-' भारतीयों द्वारा भारतीयों के लिए भारतीय सरकार की स्थापना-' की बात उठाई थी। ब्रिटिश हुकूमत के सतर्क होने और अपनी गिरफ्तारी की आशंका से मादाम भीकाजी कामा और सरदार सिंह राणा के साथ श्यामजी कृष्ण वर्मा ने अपना नया केंद्र पेरिस को बनाया। पेरिस में भी दबाव बनने पर श्यामजी कृष्ण वर्मा जिनेवा चले गए। अपना इंडियन सोशलिस्ट पत्र वह जिनेवा से लगातार निकाल कर भारतीयों में अंतिम सांस तक भारत की आजादी की अलख जागते रहे। 30 मार्च 1930 को उन्होंने जिनेवा में ही अंतिम सांस ली।

प्रतिभा

सुरेश सौरभ

यूपी के अर्जुन सिंह के अभिनय की गूंज ऑस्कर में

लापता लेडीज फिल्म की मुख्य विषय वस्तु पर्दे/घूंघट के कारण दुल्हनों की अदला-बदली तो है ही लेकिन एक और महत्वपूर्ण पहलू पर दर्शकों और समीक्षकों का बहुत कम ध्यान गया है, वह है दहेज प्रथा। जया के खलनायक पति प्रदीप कुमार के पिता की भूमिका निभाने वाले 'अर्जुन सिंह' के लिए यह फिल्म एक बहुत बड़ी उपलब्धि के रूप में मानी जा रही है।

फिल्म के शुरूआत में वह कुछ समय के लिए नज़र आते हैं, लेकिन दर्शक मानते हैं,बहुत ही सौम्यता और प्रभावशाली ढंग से, उन्होंने अपनी भूमिका के साथ पूरा न्याय किया है।

फिल्म की मुख्य किरदार जया के खलनायक पति प्रदीप कुमार के पिता के रूप में वह अपनी दहेज लोभी तेज-तर्रार पत्नी के विचारों को मौन स्वीकृति देते हैं। बेटे की शादी करके आते ही, गर्व से भरे पिता की भूमिका बहुत ही सहजता से अर्जुन सिंह ने निभायी है। उनका मानना है कि फिल्म में रोल कितना बड़ा है,यह महत्वपूर्ण नहीं है, एक सामाजिक फिल्म से जुड़ना मेरे लिए गर्व और हर्ष की बात है। नये विमर्शों को, नये सदर्भों को यह फिल्म जन्म देती है। समाज के एक संवेदनशील विषय से लोगों को झकझोरती है। सामाजिक चेतना जगाने वाली इस फिल्म से जुड़ना मेरे लिए महत्वपूर्ण है ऐसा वह फ़क्र से कहते हैं।

कई सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली है कि यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर सबसे ज्यादा देखी और सराही जा रही है। भारत की ओर से ऑस्कर में जा चुकी है, अब इसमें कोई संदेह नहीं कि चरित्र अभिनेता अर्जुन सिंह की फिल्म के चयन की समझ और विषय की पकड़ बहुत सुलझी हुई सार्थक है। इससे पहले अर्जुन सिंह फिल्म डिवीज़न ऑफ़ इंडिया द्वारा निर्मित 'वीर चंद्र सिंह गढ़वाली' पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म में वीर चंद्र के गुरु की महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं।

अर्जुन सिंह एक सामान्य पृष्ठभूमि से आते हैं ,वर्तमान में वह यूपी के बिजनौर जिले में जिला सहकारी बैंक लिमिटेड में प्रबंधक के पद पर कार्यरत है। बचपन से ही कला और रंगमंच में उनकी विशेष रुचि रही। स्कूल कॉलेज में वे समाज को शिक्षा और मार्गदर्शन देने वाले नाटकों में कुशल अभिनय करते रहे हैं । दहेज प्रथा, जाति भेद, भ्रष्टाचार आदि जैसे अनेक विषयों पर उन्होंने नाटकों द्वारा समाज में जागृति लाने का प्रयास किया। निस्संदेह यह गौरव की बात है कि उनका कला प्रेम इतना मजबूत है कि वह परिवार को चलाने के लिए नौकरी भी करते रहे और फिल्मों के लिये संघर्ष भी। उनकी पहली ही फिल्म आमिर खान के प्रोडक्शन और किरण राव के निर्देशन में बनी हो, यह उनके लिए कम गौरव की बात नहीं है।

अर्जुन सिंह की पहली फिल्म ने ऑस्कर में प्रवेश कर इतिहास रचा दिया है। अर्जुन जी की बॉलीवुड में न कोई अप्रोच है और न कोई जानने वाला है, न ही कोई

पारिवारिक पृष्ठभूमि रही है, अपने संघर्ष के दम पर अर्जुन सिंह ने इस महत्वपूर्ण फिल्म में अपनी मौजूदगी दर्ज करके बहुत से संघर्षरत कलाकारों को प्रेरणा देने का कार्य किया है।

'लापता लेडीज' को प्रसिद्ध असमिया निर्देशक 'जाह्नु बरुआ' की अध्यक्षता वाली फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया की तेरह सदस्यीय जूरी द्वारा भारत की ओर से ऑस्कर में भेजने की घोषणा की गई है। भारत की ओर से जूरी ने इस फिल्म को चुनते हुए यह कहा है कि लापता लेडीज ऐसी फिल्म है जो न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी महिलाओं को आकर्षित कर सकती है, सबका स्वस्थ मनोरंजन करने में सक्षम है जूरी के शब्दों में-भारतीय महिलाएं अधीनता प्रभुत्व का एक अजीब मिश्रण है।

इस साल विभिन्न भारतीय भाषाओं में बनी 29 फिल्मों को पीछे छोड़कर यह फिल्म ऑस्कर की दौड़ में शामिल हुई है। समिति ने 97वें ऑस्कर पुरस्कारों में भारत की ओर से जिन फिल्मों पर विचार किया गया उनमें से कुछ नाम- कल्कि 2898 ई., ऑल वी इमेजिन ऐज़ लाइट, वाज़हाई, थंगलान, चंदू चैंपियन, सैम बहादुर, स्वातंत्र्य वीर सावरकर, मैदान और जोराम आदि नाम इनमें प्रमुख थे।

'लापता लेडीज' भारत की ओर से सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फिल्म श्रेणी के लिए विश्व के अन्य 52 देश से आई हुई फिल्मों से मुकाबला करेगी। भारतीय सिनेमा मनोरंजन के अलावा शुरू से ही फिल्मों के माध्यम से भारतीय समाज में व्याप्त कुप्रथाओं अंधविश्वासों, सामाजिक असमानताओं जैसे संवेदनशील विषयों को अपनी फिल्मों की कथावस्तु बनाता रहा है।

'लापता लेडीज' में महिलाओं के प्रति होने वाले लैंगिक भेदभाव और रुढ़िवादी परंपराओं की सामान्य सी दिखने वाली विषय वस्तु को, दो महिला चरित्रों के माध्यम से बहुत ही प्रभावशाली तरीके से पेश किया गया है। जहां एक ओर भारतीय महिलाएं नासा से लेकर इसरो तक अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही है। जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, वहीं दूसरी ओर रूढ़िवादी समाज में महिलाएं आज भी 'लापता सी' जिंदगी से बाहर निकालने के लिए निरंतर संघर्ष कर रही हैं। अनेक कष्ट सह रहीं हैं।

अर्जुन सिंह के बारे में यूपी के खीरी जनपद के लोग बताते हैं कि लखीमपुर के दशहरे के ऐतिहासिक मेले के मंच पर आयोजित बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम में उन्होंने एक नाटिका में एक बार ऐसा प्रभावशाली अभिनय किया था कि हजारों दर्शकों की तालियों से पूरा पांडाल गूंज उठा था। तब अर्जुन सिंह कक्षा तीन के छात्र थे, दर्शकों का अपार प्यार पाकर वह और उनका परिवार खासा अभिभूत हुआ था।

फिल्म की कथा बताती है कि आज भी भारत के कुछ हिस्से ऐसे भी हैं, जहां नारी जागृति की चेतना न्यूनतम है। फिल्म के आरंभ में ही कुछ दुल्हनें ट्रेन के एक ही डब्बे में बैठी हुई हैं, उनमें से दो दुल्हन जया और फूल की अदला-बदली हो जाती है। क्योंकि वह घूंघट में अपना पूरा चेहरा छुपाए हुए हैं। रात का वक्त है, अंधेरा है, ट्रेन रूकती है, सोते हुए यात्री हड़बड़ी में उठकर उतर जाते हैं। यह घूंघट मात्र चेहरा छुपाने का जरिया नहीं है, बल्कि एक सामाजिक रूपक के रूप में प्रयोग किया गया है। पूरी फिल्म एक सस्पेंस बनाए रखती है, साथ ही दोनों दुल्हनें अपने-अपने विश्वास, सच्चाई और संघर्ष के साथ जटिल परिस्थितियों से बाहर आती हुई दीख पड़ती है, वे अपनी अस्मिता की पहचान और प्रतिष्ठा को बचाने के संघर्ष में दर्शकों के मन पर कुछ महत्वपूर्ण सवाल छोड़ जातीं हैं, बहुत कुछ सोचने पर विवश करती हैं, यह फिल्म।

अनूप सक्सेना होंगे नए जीएम

बैतूल। मध्यप्रदेश मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने गत दिनों जीएम के तबादलों की सूची जारी की है। चीफ जनरल मैनेजर के द्वारा जारी तबादला आदेश में बैतूल में पदस्थ जीएम विनोद भदौरिया का नर्मदापुरम तबादला कर दिया गया है। उनकी जगह अब हरदा में पदस्थ जीएम अनूप सक्सेना को बैतूल का नया जीएम बनाया गया है। इस सूची में 7 जनरल मैनेजरों के तबादले किए गए हैं। गौरतलब है कि बैतूल में पदस्थ जनरल मैनेजर विनोद भदौरिया की कार्यप्रणाली को लेकर जिले के सभी विधायक कई बार नाराजगी व्यक्त कर चुके थे। चर्चा यह भी थी कि जब भी बिजली कंपनी की तबादला सूची जारी होगी, पहली ही लिस्ट में श्री भदौरिया का तबादला आदेश होगा। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नए जीएम श्री सक्सेना जल्द ही पदभार ग्रहण करेंगे।

बिना परमिट ऑटो में सवारियों का हो रहा था परिवहन

यातायात पुलिस ने 25 ऑटो को कराया खड़ा

बैतूल। यातायात पुलिस द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ निरंतर कार्रवाही की जा रही है। यातायात पुलिस ने बिना परमिट के ऑटो में सवारियों का परिवहन करने और अधिक किराया वसूलने की शिकायतों के आधार पर 25 ऑटो की जांच की। जांच के बाद इन्हें आगे की कार्रवाई के लिए थाने में खड़ा किया गया। दरअसल यातायात पुलिस, बैतूल एसपी निश्चत झारिया के निर्देशन में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाही कर रही है। यातायात प्रभारी गजेंद्र केन ने अतिरिक्त पुलिस बल के साथ मिलकर अवैध रूप से सवारी वाहनों का संचालन करने वाले ऑटो और टैक्सी चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। चेकिंग के दौरान एक प्राइवेट कार के चालक को अवैध रूप से पुलिस की लाल-नीली-सफेद बत्ती का उपयोग करते पाये जाने पर बत्ती जब्त कर केंद्रीय मोटर वाहन नियम की धारा 108 के तहत 3000 का जुर्माना लगाया। यातायात प्रभारी गजेन्द्र केन ने बताया कि पुलिस द्वारा यह कार्रवाही लगातार जारी रहेगी, जो वाहन चालक नियमों का उल्लंघन करेगा, उस पर नियमानुसार कार्रवाही की जायेगी।

सरपंच-सचिव की कार्यप्रणाली से ग्रामीण नाराज, जनपद के सामने दिया धरना

बैतूल/शाहपुर। भयावाड़ी पंचायत के सचिव की लापरवाह कार्यप्रणाली से ग्रामीण नाराज है। ग्रामीणों का आरोप है कि सचिव की मनमानी के कारण उन्हें आवास योजना का लाभ मिल नहीं रहा हैं। उनका पहले नंबर पर आवास योजना में नाम होने के बाद भी प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। सरपंच-सचिव उनका नाम का सीरियल नंबर ही बदल देते हैं। जिसकी लिखित शिकायत भी उन्होंने जनपद कार्यालय शाहपुर में की है, लेकिन इसके बाद भी कोई कार्रवाही नहीं हुई। जिसके विरोध में ग्रामीणों ने जनपद के सामने धरना दिया है। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, तब तक वे धरने पर ही बैठे रहेंगे। ग्रामीणों ने एक ज्ञापन भी सौपा है। उप सरपंच संदीप उपराले ने बताया कि सरपंच-सचिव लाखों रुपए की योजनाओं को पलीता लगा रहे हैं। निर्माण कार्यो में भी लापरवाही बरती जा रही है। शिकायतों के बावजूद भी कार्रवाही नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

रैली निकालकर मद्यपान निषेध के प्रति किया जागरूक

बैतूल। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस जेएच कॉलेज में मद्य निषेध सप्ताह का शुभारंभ गांधी कि प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ.विजेता चौबे के संरक्षण में, जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे के मार्गदर्शन में कार्यक्रम अधिकारी डॉ.गोपाल प्रसाद साहू ,डॉ.शीतल खरे, डॉ.वीना डेहरीया, डॉ.रंजीता बरखानियां की उपस्थिति में किया गया। इस मौके पर मद्य निषेध सप्ताह पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन, शपथ और रैली निकाली। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में वरिष्ठ स्वयंसेवक अंजली नागोरे, आयुष घिंडोडे, इस्तायक अली, निकिता सिरसाम, पलक राजगोंड, दयाराम चिचाम, राधा बामने, रानी उइके, हर्षलता , किरण धुर्वे, हेमा रैकवार, आरती नागले, शालनी कोसे, निशा पदाम, भूमिका देशमुख, रितिशा खडशे, खुशबू बामने, करीना विश्वकर्मा,अजय उईके, रंजीत कासदे, रोहित परते आदि स्वयंसेवकों का सराहनीय योगदान रहा।

अतिशेष शिक्षकों का जिले में किया जाए समायोजन

समग्र शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

बैतूल। समग्र शिक्षक संघ द्वारा संयुक्त कलेक्टर को श्रेणी-2 के विज्ञान विषय के अतिशेष शिक्षकों को जिले में समायोजित करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। इस संबंध में संघ के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद साहू ने बताया कि शिक्षा विभाग अन्तर्गत विषय श्रेणी-2 के विज्ञान विषय के अतिशेष शिक्षकों को लोक शिक्षण संचालनालय

भोपाल के आदेश पत्र में कंडिका 3 अतिशेष शिक्षकों के चिन्हांकन में कक्षा 1 से 8 एवं 6 से 8 के ऐसे विद्यालय जिनमे 3 से कम शिक्षक है अथवा गणित का शिक्षक उपलब्ध नहीं है तो विज्ञान के शिक्षक को अतिशेष नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त हायर सेकेण्डरी स्कूल में यदि वर्ग 1 जीवविज्ञान में रिक्त पद है तो वर्ग 2 में विज्ञान विषय के शिक्षक को अतिशेष नही किया गया है। संघ महामंत्री नेमीचंद मालवीय द्वारा संयुक्त कलेक्टर को अवगत कराया कि ऐसे विद्यालय जिनमें गणित का शिक्षक उपलब्ध नहीं है और जिन माध्यमिक शालाओं में 3 से कम शिक्षक है। ऐसे विद्यालयों में रिक्त पद चिन्हित कर श्रेणी-2 विज्ञान विषय के अतिशेष शिक्षकों को जिले में समायोजित करें, किसी भी अतिशेष शिक्षकों को जिले के बाहर न भेजे जाने की मांग की।

देर शाम तक चला प्रतिमाओं के स्थापना का दौर, जल चढ़ाने मंदिरों में लगी रही भीड़

घटस्थापना के साथ नवरात्रि पर्व की शुरूआत

बैतूल। शारदीय नवरात्र के साथ ही मां भगवती की आराधना का उत्सव भी 3 अक्टूबर से शुरू हो गया। नवरात्र को लेकर श्रद्धालुओं द्वारा कई दिनों से तैयारियां की जा रही थी। गुरूवार को शहर के लगभग एक सैकडा से अधिक सार्वजनिक स्थानों पर माँ दुर्गा की प्रतिमाओं की स्थापना की गई। बैंड बाजे और जय माता दी के जयकारों के साथ श्रद्धालु प्रतिमाओं को पंडाल तक लेकर पहुंचे। गंज क्षेत्र, कॉलेज चौक, टिकारी, कालापाठा सहित अन्य स्थानों पर झांकियां भी बनाई गई। मंदिरों में भी घट स्थापना और अखंड दीप जलाकर जवारे बोए गये। नवरात्र के पहले दिन शहर का हर कोना मातारानी के जयकारों की गुंज गुंजायमान हो उठा। अब नौ दिनों तक श्रद्धालुओं द्वारा अपनी-अपनी शक्ति के अनुसार माता की भक्ति की जाएगी।

बाजार में चहल-पहल, देर शाम तक हुई स्थापना- नवरात्र के दिन बाजार में चहल-पहल देखने को मिली। मातारानी के श्रृंगार की सामग्री, घट स्थापना के लिए सामग्री की जमकर खरीदारी हुई। कोठी बाजार और गंज क्षेत्र में सबसे ज्यादा भीड मिली। पंडालों को सजाने के लिए बाजार में सजावटी सामग्रियों की दुकानें पहले से ही सज गई थीं। नवरात्र को लेकर कई जगह आकर्षक झाकियां बनाई भी गई है, वहीं पंडालों को आकर्षक विद्युत साज-सज्जा से सजाया गया है। रास्ते में दूर-दूर तक लाइटिंग लगाई गई। प्रतिमा ले जाने को लेकर कोठी बाजार पेट्रोल पंप के पास काफी भीड लगी रहीं। भीड होने से यातायात भी प्रभावित होते रहा। सुबह से लेकर शाम तक प्रतिमाओं को ले जाने का सिलसिला जारी रहा।

घट स्थापना के साथ आराधना का पर्व शुरू- मातारानी के नवरात्र पर्व प्रारंभ होने के पहले ही दिन से मातारानी की आराधना भक्तों द्वारा शुरू कर दी गई है। भक्ति का यह सिलसिला पूरे नौ दिनों तक जारी रहेगा। हर श्रद्धालु अपनी इच्छानुसार मातारानी को प्रसन्न करने के लिए भक्ति में लीन हो गया है। कई भक्त ऐसे भी है जो नौ दिनों तक जुते-चप्पल

नहीं पहनते, तो कई दोनों समय का उपवास कर भक्ति करेंगे। मातारानी के नवरात्रि पर्व की शुरूआत के साथ ही भजन-कीर्तन एवं जस का क्रम भी शुरू हो गया है। घरों-घर भजन कीर्तन होने से शहर का माहौल धर्ममय हो गया है। महिलाएं एक घर से दूसरे घरों में पहुंचकर भजन करने लगी है।

जल चढ़ाने मंदिरों में लगी रही भीड़- नवरात्रि का पहले दिन अलसुबह से ही हर उम्र के व्यक्तियों द्वारा मातारानी को प्रसन्न करने के लिए जल चढ़ाने का सिलसिला शुरू हो गया है। एक साथ बड़ी संख्या में दुर्गा मंदिरों में श्रद्धालुओं के पहुंच जाने से श्रद्धालुओं को अपने नंबर आने का इंतजार करना पड़ता है। दोपहर तक श्रद्धालु मातारानी का जलाभिषेक करते रहे और फूल सहित पूजन सामग्री चढ़ाते रहे। नवरात्रि एवं मातारानी की स्थापना का पहला दिन होने से शाम एवं रात्रि में आरती में भारी भीड़ जुटी रही। सभी नागरिक अपने-अपने मोहल्ले एवं चौक चौराहों पर विराजी मां जगदंबे की आरती में शामिल हुए। आरती में श्रद्धालु उत्साह के साथ शामिल रहे।

बीजासनी मंदिर में उमड़ा भक्ति का सैलाब

प्रतिदिन शाम 7.30 पर होगी महाआरती, वितरित होगा महाप्रसाद

बैतूल। बैतूल गंज स्थित बीजासनी माता मंदिर में आज पूरे विधि विधान के साथ सर्वप्रथम गौरी गणेश एवं गुरु पूजन के उपरांत मंत्रोच्चार से 451 से अधिक ज्योत प्रज्वलित की गई। शक्ति की आराधना के इस पावन पर्व के शुभारंभ में एकम के दिन ही बीजासनी मंदिर में श्रद्धालुओं की आस्था एवं भक्ति अपने चरम पर देखने को मिली। पूजन के इस कार्यक्रम में आरडी पब्लिक स्कूल की संचालिका एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल की अर्धांगनी श्रीमती ऋचु खंडेलवाल ने प्रमुख रूप से भाग लेते हुए मंत्रोच्चार के साथ पृथ्वी पूजन, गणेश पूजन, गौरी गणेश पूजन, स्वतिवाचन किया एवम प्रथम ज्योत प्रज्वलित की। ज्योत प्रज्वलित

करने के पश्चात उन्होंने बीजासनी माता का पूजन कर उन्हे भेंट चुनरी एवं प्रसाद अर्पित किया एवं गर्भ स्थल पर विराजित माता के चरणों में विनती कर क्षमा प्रार्थना भी की। इस दौरान पूरे कार्यक्रम में उनके साथ बीजेपी के मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा एवं पार्षद विकास प्रधान उपस्थित रहे तथा पूजा अर्चना में सम्मिलित रहे। आज के इस कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालु जिन्होंने अपने नाम से ज्योत रखवाई है पूजन के इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए एवं अखंड दीप प्रज्वलन के उपरांत कुल देवता, कुलदेवी, इष्ट देवता, इष्टदेवी, नवग्रह, नवदुर्गा, षोडश मात्रिका, चौसठ योगिनी देवियां, सप्तमात्रिका माता सप्तघृत माताएं, सर्वपित्र, ग्रामदेवता के साथ साथ शिवपरिवार, लक्ष्मीनारायण भगवान, ब्रह्माजी, सावित्री माता, गायत्री माता, भुवनेश्वरी माता, हनुमानजी एवम कालभैरो देवता सबके आव्हान एवम पूजन में सम्मिलित हुए एवं सुख समृद्धि एवं संकटों से मुक्ति की प्रार्थना करते हुए मनोकामना की अर्जी लगाई। मंदिर के संस्थापक एवं समिति के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने अतिथि के रूप में शामिल श्रीमती ऋचु खंडेलवाल, विकास मिश्रा एवं विकास प्रधान का माता की चुनरी भेंट कर सम्मान किया। मंदिर समिति की ओर से उन्होंने समस्त धर्मप्रेमियों से प्रतिदिन शाम 7.30 पर होने वाली महाआरती में सम्मिलित होने की अपील की है तथा एकम के इस विशाल ज्योत प्रज्जवलन के कार्यक्रम को सफल बनाने एवं सहयोग प्रदान करने हेतु धन्यवाद प्रेषित किया है।

भोज विश्वविद्यालय ने दीक्षांत समारोह एवं स्थापना दिवस मनाया

विद्यार्थियों को डिग्री और गोल्ड मेडल किये प्रदान

बैतूल/शाहपुर। मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा 2022- 23 एवं 23 -24 में ए ग्रेड में विभिन्न विषयों में प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को डिग्री एवं गोल्ड मेडल प्रदान किए गए। शाहपुर की विद्यार्थी प्रिया जगताप एवं श्रीमती दीपना जगताप को भोज मुक्त विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह में

राज्यपाल मंगू भाई पटेल एवं शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में डिग्री प्राप्त हुई। समारोह भोपाल के मिंटो हाल में आयोजित किया गया। रतलाम, पांढुर्णा, शाहपुर, खरगोन, राजस्थान, ग्वालियर, कोटा आदि दूर-दूर से विद्यार्थी डिग्री लेने के लिए दीक्षांत कार्यक्रम में भोपाल उपस्थित हुए। भोज मुक्त विश्वविद्यालय के द्वारा विद्यार्थियों के लिए सेल्फी प्वाइंट बनाया गया था। जिसमें छात्र सेल्फी लेकर बहुत प्रसन्न हुए। विश्वविद्यालय कुलपति द्वारा सभी को बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। विद्यार्थी भोज मुक्त विश्वविद्यालय के इस दीक्षांत समारोह में आकर गोल्ड मेडल एवं डिग्री प्राप्त करके बहुत प्रसन्न हुए। प्राप्त जानकारी के अनुसार भोज विश्वविद्यालय का 34 वां स्थापना दिवस मनाया गया।

गांजा सप्लाई करने के फिराक में खड़े थे युवक, पुलिस ने धरदबोचा

8.5 किलो गांजा एवं 300 क्वाटर देशी शराब की जब्त, 4 आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। पुलिस ने 8.5 किलो गांजा और 300 क्वाटर देशी शराब बरामद की है। इस मामले में 4 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। जिनके खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर धारा 8/20, 29 एनडीपीएस एक्ट का मामला कायम किया है। 2 अक्टूबर को मुखबीर से सूचना मिली थी कि दो युवक मलकापुर रेलवे स्टेशन के पास बैग में अवैध मादक पदार्थ गांजा सप्लाई करने के लिए खड़े है। सूचना मिलते ही गंज पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों युवकों को पकडा, जिन्होंने अपना नाम दीपक पिता राजवीर मोरवंशी (26 वर्ष) निवासी ओझाढाना तथा आदित्य पिता मुकेश ओटवाल (24 वर्ष) निवासी इच्छावर जिला सीहोर का होना बताया, जब पुलिस ने युवकों की तलाशी ली तो दो बैग में करीब 8.5 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जिसकी कीमत 1,20,000 रूपये थी, को जप्त किया। दोनों आरोपियों ने पूछताछ में अवैध मादक पदार्थ आकाश पिता हल्लू अहाके (26 वर्ष) निवासी ओझाढाना के द्वारा गांजा बेचना बताया। पुलिस ने आकाश अहाके को भी उसके घर से गिरफ्तार किया। आरोपी ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ मोनीबुडा छत्तीसगढ से बैतूल शहर में बेचने के लिये लाए थे। तीनों आरोपियों के विरुद्ध थाना गंज में धारा 8/20, 29 एनडीपीएस एक्ट का कायम

कर विवेचना में लिया गया।

शराब बेचने वाला आरोपी धराया- पुलिस ने रेलवे स्टेशन के पास से एक व्यक्ति को पकड़ा है, जो सफेद बोरी में अवैध रूप से शराब रखकर बेचने के लिये घूम रहा है। जैसे ही पुलिस को इसकी सूचना मिली, पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी बाबू सिंधी उर्फ राजकुमार पिता लद्धाराम बाधवानी उम्र 40 वर्ष निवासी भग्गूढाना को पकडक़र उसके कब्जे से 300 क्वाटर देशी शराब कुल 54 लीटर कीमती 18,000 रूपये जब्त जप्त किया और आरोपी को गिरफ्तार कर विधिवत कार्रवाही की। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक रविकांत डेहरिया, उप निरीक्षक इरफान कुरैशी, सहायक उपनिरीक्षक उमेश बिल्लारे, प्रधान आरक्षक आशीष, रामदास, अतुल, शंकरराव करोले, आरक्षक मनोज, अनिरुद्ध, नरेंद्र, उत्कर्ष, गजानंद, सायबर सेल आरक्षक दीपेंद्र की विशेष भूमिका रही।

प्राथमिक शाला डोरी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मनाई जन्म जयंती

निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

बैतूल। जन स्वास्थ्य सहायता बाल विकास शिक्षा समिति डोरी के तत्वावधान में प्राथमिक शाला डोरी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी की जन्म जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरपंच श्रीमती रीना कुमरे, पूर्व सरपंच राम किशोर धुर्वे प्रमुख रूप से उपस्थित थे। मुख्य अतिथियों द्वारा महापुरुषों के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस दौरान निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढक़र भाग लिया। साथ ही स्वच्छता ही सेवा-2024 अभियान के तहत स्कूल परिसर की साफ-सफाई की गई। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण के तहत स्कूल परिसर में पौधारोपण कर देखभाल किए जाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरपंच श्रीमती रीना कुमरे ने बच्चों की प्रतिभा को सराहा और महापुरुषों के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात किए जाने की बात कही। पूर्व सरपंच रामकिशोर धुर्वे, संतोष ईवने ने स्वच्छता ही सेवा अभियान की जानकारी देते हुए बच्चों को अपने स्कूल और घरों के आसपास का वातावरण स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा श्रीमती

कमला मरकाम, श्रीमती राधा काकोडिया ने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने तथा देश का नाम रोशन किए जाने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान विजेता प्रतिभागियों को पेंसिल, पेन, कॉपी उपहार स्वरूप देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समिति के सदस्य मंगलेश मर्सकोले, लक्की काकोडिया, अजय निर्मल सिंह, वंदना अजय सिंह, बेबी हुकुमचंद इवने, रामकली मर्सकोले, सतनाम काकोडिया सहित शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रही।

29 ग्राम पंचायतों के सचिव-रोजगार सहायक के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही

2 सचिवों को सेवा से किया पृथक, 18 की वेतन वृद्धि रोकी एवं 7 रोजगार सहायकों का एक माह वेतन रोका

बैतूल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन ने लगभग एक माह पूर्व जिले के 29 ग्राम पंचायतों के सचिव-रोजगार सहायक के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रारंभ की गई थी। यह ऐसी पंचायतें थी, जो योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में लगातार तीन महीनों मई, जून एवं जुलाई 2024 की जारी रैंकिंग में अपनी-अपनी जनपद पंचायतों में बॉटम 5 पंचायतों में रही। सभी संबंधित सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों को सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर प्रदाय किया गया। सुनवाई उपरांत आठनेर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत पांढुर्ना सचिव श्री वामनराव धोटे एवं भीमपुर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत चिखली सचिव श्री मंगलसिंह सलामे अपने कार्य के प्रति गंभीर अनुशासनहीनता का आचरण प्रदर्शित करने कारण सेवा से पृथक किया गया है।

18 सचिवों की एक-एक वेतन वृद्धि रोकी

सीईओ श्री जैन ने बताया कि कार्य में लापरवाही बरतने के कारण 18 ग्राम पंचायत सचिवों के विरुद्ध उनकी एक-एक वेतन वृद्धि रोकी गई है। यह कार्यवाही जनपद आमला के इटावा, जनपद बैतूल के सोहागपुर एवं बारव्ही, जनपद भैंसदेही के खामला एवं कोथल कुंड, जनपद आठनेर के अंधेर बावड़ी, जनपद भीमपुर के चूनालोहमा, पलासपानी एवं दामजीपुरा, जनपद मुलताई के दुनावा, जनपद प्रभात पट्टन के पचधार, जनपद चिचोली के चुनागोसाई, जनपद घोड़ाडोंगरी के पाडर, हीरापुर एवं जुवाड़ी एवं जनपद शाहपुर के काजली, सेहरा एवं चिखली रैयत ग्राम पंचायत के सचिव के विरुद्ध की गई।

7 रोजगार सहायकों का एक माह का वेतन रोका

इसी प्रकार 7 ग्राम पंचायत रोजगार सहायकों का एक माह का वेतन रोका गया। यह कार्यवाही जनपद आठनेर के पांढुर्णा, जनपद भैंसदेही के खामला एवं कोथलकुंड, जनपद भीमपुर के चिखली एवं पलासपानी, जनपद मुलताई के दुनावा एवं जनपद शाहपुर के सेहरा ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक के विरुद्ध की गई। इसी तरह 9 सचिव एवं 13 रोजगार सहायक के जवाब से आंशिक रूप से सहमत होते हुए उनके विरुद्ध लघु शास्ति अधिरोपित कर परिनिंदा जारी की गई।

मुद्दा

रक्षा अगल्वा

महिला सुरक्षा की अनदेखी न करे सरकार

समाज की उन्नति तभी संभव है जब सभी लोगों की भागीदारी समान हो, और किसी के साथ भी भेदभाव न हो। सुरक्षा व्यवस्था सभी के लिए समान होनी चाहिए। समाज में बढ़ती असमानताओं ने कई समस्याओं को जन्म दिया है, जिससे आज गांवों और शहरों में भय का माहौल बना हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं के प्रति यौन उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं ने महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।महिलाओं की सुरक्षा किसी भी समाज के विकास और उसकी प्रगतिशीलता का महत्वपूर्ण मानदंड है।

एक देश तभी सशक्त और समृद्ध हो सकता है जब उसके नागरिक, विशेष रूप से महिलाएं, सुरक्षित और संरक्षित महसूस करें। आज के समय में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और अपराधों में वृद्धि एक गंभीर समस्या बन चुकी है, और इसके समाधान के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। हालांकि सरकारें महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कई योजनाएं और कानून बना चुकी हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन और सख्ती से पालन आज भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।किसी भी लोकतांत्रिक देश में महिलाओं की भागीदारी उतनी ही आवश्यक है, जितनी पुरुषों की। देश तभी आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक रूप से समृद्ध हो सकता है जब महिलाएं पूरी तरह से सुरक्षित महसूस करते हुए अपने कार्यों का निर्वाहन कर सकें। महिलाएं बौद्धिक और मानसिक रूप से सशक्त होती हैं और बड़े से बड़े कार्य करने में सक्षम हैं, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था की कमी के कारण उन्हें घर से बाहर निकलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

भारतीय संविधान निर्माताओं ने महिलाओं के महत्व को समझते हुए उन्हें संविधान में उचित स्थान दिया था, लेकिन आज भी महिलाएं उतनी सुरक्षित और सम्मानित नहीं दिखतीं, जितना अधिकार और अवसर उन्हें संविधान में दिए गए हैं। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में महिलाओं और बच्चियों के साथ अपहरण, बलात्कार जैसे जघन्य अपराध होते हैं, जिससे पूरा देश शर्मसार होता है। जबकि दुनिया की महिलाएं तरक्की कर रही हैं, भारत में महिलाएं अत्याचार और दरिंदगी का शिकार हो रही हैं।वर्तमान समय में मानवता को शर्मसार करने वाले जघन्य अपराधों का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। भारत में महिला सुरक्षा को लेकर स्थिति लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, महिलाओं के खिलाफ अपराधों की संख्या में साल दर साल वृद्धि हो रही है। यौन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, दहेज हत्या, मानव तस्करी, साइबर अपराध और बलात्कार जैसे अपराध समाज में महिलाओं की सुरक्षा की पोल खोलते हैं।

कई मामलों में महिलाएं पुलिस में शिकायत दर्ज कराने से डरती हैं, क्योंकि उन्हें न्यायिक प्रक्रिया और समाज द्वारा बदनामी का डर होता है।महिला सुरक्षा केवल शारीरिक और मानसिक सुरक्षा तक सीमित नहीं होनी

चाहिए, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण भी इसका एक महत्वपूर्ण पहलू है। सरकार को महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करने और स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने की दिशा में काम करना चाहिए। आर्थिक रूप से स्वतंत्र महिलाएं अधिक आत्मविश्वासी होती हैं और अपने अधिकारों के प्रति अधिक जागरूक होती हैं, जिससे उनका शोषण कम होता है।महिलाओं के खिलाफ अपराधों में न्याय प्रक्रिया में देरी एक गंभीर समस्या है। देरी से अपराधियों को सजा मिलने में कई साल लग जाते हैं, जो पीड़ितों को मानसिक रूप से तोड़ देता है और अपराधियों को हतोत्साहित नहीं करता। इसलिए सरकार को फास्ट-ट्रैक कोर्ट्स की संख्या बढ़ानी चाहिए और समयबद्ध तरीके से मामलों का निपटारा करना चाहिए। आज के डिजिटल युग में सरकार को महिलाओं की सुरक्षा के लिए तकनीकी उपायों का अधिकतम उपयोग करना चाहिए। जैसे मोबाइल ऐप्स, पैनिक बटन, जीपीएस सिस्टम और सीसीटीवी कैमरों की स्थापना को बढ़ावा देना चाहिए। साथ ही, सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निगरानी प्रणाली को भी मजबूत किया जाना चाहिए।महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सरकार को सशक्त और प्रभावी तंत्र विकसित करना चाहिए, जिसमें पुलिस का सशक्तिकरण, तकनीकी साधनों का उपयोग, और सामाजिक समर्थन शामिल हो।

पुलिस को महिला मामलों में संवेदनशील बनाने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ताकि वे तत्परता और जिम्मेदारी से कार्य कर सकें। साथ ही, साइबर अपराधों के खिलाफ सख्त कानून बनाए जाने चाहिए, क्योंकि महिलाओं के खिलाफ साइबर स्टॉकिंग और ऑनलाइन उत्पीड़न जैसी घटनाओं में तेजी से वृद्धि हो रही है।महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों का विरोध करने के लिए पुरुषों और महिलाओं को एक साथ आगे आना होगा। भारत में महिला सुरक्षा एक बहुआयामी मुद्दा है, जिसका समाधान पुलिस, न्यायालय, सरकार और समाज के सहयोग से ही संभव है। कानूनों का सख्ती से पालन होना चाहिए। पुलिस प्रशासन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जानी चाहिए ताकि महिलाएं अपनी समस्याएं खुलकर व्यक्त कर सकें।महिलाएं समाज की रीढ़ हैं, और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार और समाज की जिम्मेदारी है।

ग्राहक सेवा केन्द्र का शुभारंभ

सोहागपुर। रेलवे स्टेशन गेट के पास मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक ग्राहक सेवा केंद्र का शुभारंभ समाजसेवी गणेश अहिरवार के आतिथ्य में संपन्न हुआ। श्री अहिरवार ने फीता काट कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर पार्षद गौरव पालीवाल, गोपाल सिंह खरे एवं बैंक के अधिकारी गण आदि उपस्थित थे।

शरदोत्सव समिति के अध्यक्ष देवलिया चुने गए रक्तदाताओं का होता है सम्मान

सुबह सवेरे सोहागपुर। शरदोत्सव समिति की बैठक समिति संरक्षक एवं पत्रकार पवनसिंह चौहान के आतिथ्य में संपन्न हुई। बैठक में प्रदीप देवलिया को अध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर संरक्षक पवनसिंह चौहान ने बताया कि शरदोत्सव समिति विगत 23 वर्षों से रक्तदाताओं एवं क्षेत्र की विख्यात प्रतिभाओं का सम्मान करती आ रही है । इस वर्ष शरदोत्सव सम्मान समारोह का आयोजन 17 अक्टूबर शरद पूर्णिमा के दिन आयोजित होगा। कार्यक्रम स्टेट बैंक के सामने रेलवे स्टेशन रोड पर संम्पन होगा। इस कार्यक्रम में रक्तदाताओं, क्षेत्र की विख्यात प्रतिभाओं के सम्मान के अलावा आर्केस्ट्रा डांस एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। बैठक के उपरांत समिति के सदस्यों ने मिलकर आयोजन स्थल का दौरा भी किया।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत मेरी पॉलसी- मेरे हाथ का हुआ शुभारंभ

नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2024 की पॉलिसी का वितरण कार्यक्रम के दौरान उप संचालक कृषि श्री उमेश कुमार कटहरे ने मेरी पॉलिसी- मेरे हाथ का शुभारंभ मंगलवार को किया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2024 में 37 हजार 645 किसानों का बीमा किया गया हैं। कार्यक्रम में जिले के किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में भाग लिया और उन्हें पॉलिसी वितरित की गई। इस दौरान कृषि विभाग के अधिकारी, प्रधानमंत्री फसल बीमा के जिला प्रतिनिधि श्री रामगोपाल यादव एवं सभी तहसील प्रतिनिधि मौजूद थे। कार्यक्रम में बताया गया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत ऋणी किसानों का बीमा बैंक से स्वत: ही हो जाता है, लेकिन अऋणी किसान इस योजना से छूट जाते हैं, तो वह भी बैंक, सीएससी, एआईसी प्रतिनिधि के माध्यम से अपनी फसलों का बीमा करा सकते हैं। सभी अऋणी किसानो से अपील की गई है कि वे आगामी रबी सीजन 2024- 25 में अपनी फसलों का बीमा अवश्य करायें, जिससे उन्हें फसल बीमा योजना का लाभ मिल सके।

गांधी जयंती पर विशेष माफी देकर रिहा किये गये दो बंदी

नरसिंहपुर। राज्य शासन के जेल विभाग के निर्देशानुसार गांधी जयंती दो अक्टूबर को केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर विरूद्ध एवं विशेष परिहार का लाभ प्राप्त करने वाले दो बंदियों की सजा समाप्ति पर स्थाई रिहाई प्रमाण पत्र देकर रिहा किया गया। सभी बंदी भाईयों ने रिहा होने वाले अपने साथियों को सदा खुश रहने की दुआयें देकर विदा किया। जेल अधीक्षक श्री अजमेर सिंह ने सभी बंदी भाईयों को गांधी जयंती की बधाई दी। इस अवसर पर उप जेल अधीक्षक श्री महेश प्रसाद टिकारिया, सहायक जेल अधीक्षक श्री एडवर्ड स्वामी, श्री संतोष हरियाल, श्री आशीष खरे, श्री रोहित कोष्टी, प्रहरी सहित सुरक्षा स्टाफ मौजूद था।

धार गायत्री शक्ति पीठ पर घट स्थापना के साथ शारदीय नवरात्रि प्रारंभ, हो रहे है अनेक अनुष्ठान

धार। धार जिला मुख्यालय महेश नगर (किले के पीछे) स्थित धार गायत्री शक्तिपीठ पर आज गुरूवार को प्रातः शुभ मुहूर्त में घट स्थापना के साथ मां शक्ति की आराधना नवरात्रि का पर्व का शुभारम्भ हुआ। नवरात्रि पर यहां अनेक धार्मिक अनुष्ठान किए जा रहे हैं।

धार गायत्री शक्तिपीठ के प्रमुख ट्रस्टी रमेश चंद्र सचान ने बताया कि गायत्री शक्ति पीठ पर नवरात्रि का पर्व श्रद्धा , भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। साधना, आराधना, जप, तप का दौर जारी है। प्रतिदिन सुबह की आरती के पश्चात प्रातः 7 से 9 बजे तक सामूहिक जप का किया जा रहा है। तत्पश्चात 9 से 11 बजे तक यज्ञ - हवन तथा संस्कार सम्पन्न करवाए जाते हैं। संध्या काल में भी सामूहिक जप तथा आरती होती है। नवरात्रि के प्रथम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सामूहिक गायत्री मंत्र का जाप किया तथा यज्ञ में भाग लेकर गायत्री महामंत्र , महामृत्युंजय मंत्र और अन्य मंत्रो के साथ यज्ञ में आहुतियां दी । इस अवसर पर नामकरण संस्कार सहित अन्य संस्कार भी किए गए जिन्हें आचार्य प्रज्ञा बैरागी द्वारा मंत्रों के साथ सम्पन्न करवाया गया।

आमला के सफाई कर्मचारियों ने जुलूसों में उड़ने वाली कतरन पर बैन लगाने की मांग की, अनुविभागीय अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

बैतूल। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध नगर पालिका नगर पंचायत मजदूर संघ, आमला के सफाई कर्मचारियों ने शहर में जुलूस, झांकियों और शादी समारोहों में उड़ाई जाने वाली पन्नियों की कतरन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। इस संबंध में कर्मचारियों ने अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर इस गंभीर समस्या पर त्वरित कार्यवाही की अपील की है। आमला नगर पालिका के भारतीय मजदूर संघ के इकाई अध्यक्ष प्रमोद कुमार बैसवार ने बताया कि जुलूसों, झांकियों, रैलियों और विभिन्न समारोहों में मशीनों द्वारा उड़ाई जाने वाली पन्नियों की कतरन से शहर में गंदगी फैलती है, जिसे झाड़ू लगाने के बाद भी साफ करना मुश्किल हो जाता है। इन कतरनों से शहर की सफाई पर असर पड़ता है, ये पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाती हैं। सफाईकर्मियों का कहना है कि पन्नियों की ये कतरन गलने या नष्ट होने में काफी समय लेती हैं, जिससे नालियों में रुकावट पैदा होती है और आसपास के वातावरण को दूषित करती हैं।

पर्यावरण और जानवरों को हो रहा नुकसान- सफाई कर्मचारियों ने यह भी बताया कि शहर में गाय, बैल और अन्य जानवर इन कतरनों को खाने से बीमार हो रहे हैं, जो उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ये कतरनें शहर के विभिन्न हिस्सों में बिखरी रहती हैं और सफाई के बाद भी इसे पूरी तरह से हटाना असंभव हो जाता है। इन पन्नियों के कारण शहर के नालों और नालियों में जाम लग जाता है, जिससे पानी का बहाव रुक जाता है और नागरिकों को कठिनाई का सामना करना पड़ता है। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से आमला नगर पालिका के भारतीय मजदूर संघ के इकाई अध्यक्ष प्रमोद कुमार बैसवार, राजेश खरे, विजय, संदीप, गंगाराम, नरेंद्र, रंजीत, गणेश, प्रमोद कुमार, अनिल, राम प्रसाद, कमलेश, छोटेलाल, अमित, चंदू, सपना बाई, रामकुवर बाई, आनंद, रेनू बाई, लक्ष्मीबाई, सुनील, कैलाश राठौर, लेखराज, अखिलेश, अनिल, और कमलेश सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित थे। उन्होंने अपने ज्ञापन में नगर पालिका से निवेदन किया है कि सार्वजनिक आयोजनों में पन्नियों की कतरन उड़ाने पर तत्काल रोक लगाई जाए, जिससे शहर की सफाई व्यवस्था सुचारु रहे और पर्यावरण को कोई नुकसान न पहुंचे।

पीएम श्री एमएलबी स्कूल नरसिंहपुर में 142 छात्राओं को निःशुल्क साईकिल वितरित

नरसिंहपुर। पीएम श्री शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया एवं पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल की विशेष मौजूदगी में छात्राओं को निःशुल्क साइकिल का वितरण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती जी का पूजन- अर्चन कर किया गया। पूर्व राज्यमंत्री व अन्य अतिथियों ने नवरात्र पर्व पर शक्ति अभिनंदन अभियान के तहत विद्यालय की कन्याओं को तिलक व चुनरी ओढ़ाकर, पूजन- वंदन व चाकलेट का वितरण किया। कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री श्री पटेल ने शासन द्वारा विद्यार्थियों के लिए संचालित की जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि बेटियां बेहतर शिक्षा प्राप्त कर परिवार, समाज व देश को गौरवान्वित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा नवरात्रि पर्व पर 2 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक महिला एवं बालिका सशक्तिकरण जागरूकता के लिए शक्ति अभिनंदन अभियान कार्यक्रम के चलाया जा रहा है। इसके सफल आयोजन करने के लिए उन्होंने शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में अन्य अतिथियों ने छात्राओं को शुभकामनायें दी। इस अवसर पर श्री सुनील कोठारी, डॉ. वीरेन्द्र पटेल, जिला ओलंपिक संघ अध्यक्ष व पार्षद श्री अजय प्रताप सिंह पटेल, श्रीमती निशा सोनी, सहायक संचालक शिक्षा विकासखण्ड अधिकारी सुश्री प्राशी अग्रवाल, श्रीमती गायत्री सोनी, श्रीमती माया पटेल, श्रीमती पुष्पा दुबे, अन्य जनप्रतिनिधि, स्कूल का स्टाफ और छात्रायें मौजूद थी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती स्मृति श्रीवास्तव व आभार प्राचार्य श्रीमती आशा नेमा ने व्यक्त किया।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने नवरात्रि पर्व के पहले दिन माताजी टेकरी पहुंचकर की मां तुलजा भवानी व मां चामुंडा की पूजा अर्चना

देवास/मोहन वर्मा। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने नवरात्रि पर्व के पहले दिन माताजी की टेकरी पहुंचकर मां तुलजा भवानी व मां चामुंडा की पूजा अर्चना की तथा मां तुलजा भवानी व मां चामुंडा से जिले की सुख-समृद्धि की कामना की। कलेक्टर श्री गुप्ता ने नवरात्रि पर टेकरी पर की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को माताजी की टेकरी पर व्यवस्था के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस दौरान एसडीएम देवास श्री बिहारी सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि नवरात्रि में देवास स्थित माता टेकरी पर मां तुलना भवानी और माँ चामुण्डा के दर्शनों के लिए अपनी मुरादें लेकर देशभर से लाखों श्रद्धालु देवास पहुँचते हैं।

आज नवरात्रि की शुरुवात में ही अलसुबह से माता टेकरी पर हजारों की संख्या में भक्तों ने पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए। प्रशासन ने भक्तों की सुविधा के लिए चाक-चौबंद व्यवस्था की है जिससे दर्शनार्थियों को किसी

तरह की परेशानी न हो। जिला प्रशासन का पूरा तंत्र टेकरी पर मुस्तैदी से व्यवस्थाओं में लगा है। शुक्र, शनि और रविवार को सप्ताह अंत होने से टेकरी पर अधिक भीड़ होने की संभावना को देखते हुए प्रशासन अलर्ट मोड़ पर है और भीड़ नियंत्रण,पार्किंग,पेयजल जैसे मुद्दे प्राथमिकता पर है है जिससे दर्शनार्थियों को किसी तरह की परेशानी न हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री पिथोडे की पुस्तक का किया विमोचन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, के निदेशक श्री तरुण कुमार पिथोडे की पुस्तक 'मास्टर योर डेस्टिनी-लैसंस फ्रॉम लोहानी' का नई दिल्ली में विमोचन किया। इस अवसर पर भारतीय रेलवे सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी श्री अश्वनी लोहानी भी उपस्थित थे, जिनके सार्वजनिक प्रशासन और प्रबंधन में उल्लेखनीय कैरियर और जीवन से यह पुस्तक प्रेरित है।

'मास्टर योर डेस्टिनी-लेसंस फ्रॉम लोहानी' श्री पिथोड़े द्वारा लिखी हुई 6ठी पुस्तक है। यह पुस्तक प्रबंधन के विविध पहलुओं को अनोखे ढंग से प्रस्तुत करती है। पुस्तक में श्री लोहानी द्वारा विभिन्न स्तरों पर आई चुनौतियों का बखूबी सामना करने के जिक्र के साथ-साथ उनके वरिष्ठों, मित्रों, सहकर्मियों और कनिष्ठों के अनुभवों और फीडबैक पर प्रकाश डाला गया है। उनके द्वारा विभिन्न संगठनों को सफलता की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए अपनाई गई रणनीतियों का भी वर्णन इस पुस्तक में है। श्री पिथोडे द्वारा लिखी

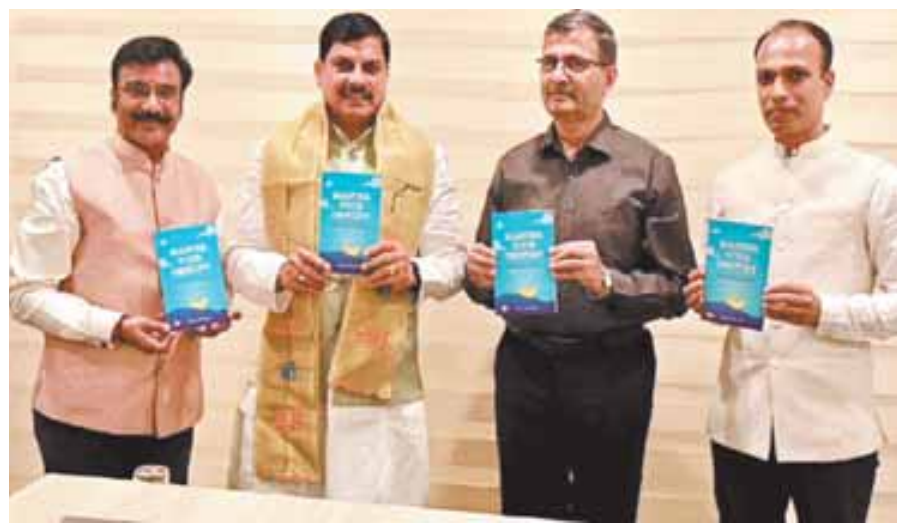

गई यह पुस्तक पूर्व अधिकारी श्री लोहानी के सुदीर्घ अनुभवों को समेटे हुए यह पुस्तक भावी अधिकारियों और कॉर्पोरेट जगत को बेहतर प्रबंधन की विशिष्ट सीख देती है।

श्री अनुराग जैन ने मुख्य सचिव का पदभार ग्रहण किया

भोपाल (नप्र)। राज्य शासन के 35 वें मुख्य सचिव के रूप में 1989 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री अनुराग जैन ने आज मंत्रालय में पदभार ग्रहण किया। मुख्य सचिव श्री जैन को वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्प-गुच्छ भेंट किए।

मुख्य सचिव श्री जैन का जन्म 11 अगस्त 1965 को मध्यप्रदेश के ग्वालियर में हुआ। भारतीय प्रशासनिक सेवा में जॉइनिंग के बाद श्री जैन की पहली पोस्टिंग सागर में सहायक कलेक्टर के पद पर जून 1990 में हुई। बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्री जैन की शैक्षणिक योग्यता बी.टेक. इंजीनियरिंग एवं एम.ए.लोक प्रशासन (यू.एस.ए.) है।

मुख्य सचिव श्री जैन मंडला, मंदसौर, भोपाल जिलों में कलेक्टर के पद पर पदस्थ रहें। श्री जैन ने मध्यप्रदेश शासन में सचिव, प्रमुख सचिव, और अपर मुख्य सचिव के रूप में विभिन्न विभागों के दायित्वों का निर्वहन किया। मुख्य सचिव श्री जैन भारत सरकार में भी प्रतिनियुक्ति पर प्रमुख पदों पर पदस्थ रहे।

सड़क हादसे में मेडिकल स्टूडेंट की मौत, दूसरा घायल

कार की टक्कर से व्यापारी भी उछलकर गिरा, छुट्टियां मनाकर बाइक खंडवा लौट रहे थे

खंडवा (नप्र)। खंडवा में कार ड्राइवर ने व्यापारी और दो बाइक सवार मेडिकल स्टूडेंट को टक्कर मार दी। हादसे में घायल दोनों छात्रों को इंदौर रेफर किया गया। यहां गुरुवार सुबह एक छात्र ने दम तोड़ दिया। दूसरा छात्र इंदौर के एमवाय अस्पताल और व्यापारी खंडवा जिला अस्पताल में भर्ती है। हादसा बुधवार रात करीब 8 बजे छैगांवमाखन थाना क्षेत्र में खंडवा-इंदौर हाईवे पर हरियाली किसान बाजार के पास हुआ।

दोनों छात्र खरगोन के रहने वाले हैं। दोनों के ही पिता सरकारी टीचर हैं। वह छुट्टियां मनाकर रात में बाइक से खंडवा लौट रहे थे। इंदौर में शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा।

छैगांवमाखन थाना टीआई विक्रम धारवे ने बताया कि खरगोन के रहने वाले हिमांशु जमरे (23) पिता संतोष जमरे, आशीष जाधव (23) पिता भागमल जाधव खंडवा स्थित नंदकुमार सिंह चौहान मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस थर्ड ईयर के छात्र हैं। दोनों अपने घर छुट्टियां मनाने गए थे। बुधवार शाम खंडवा के लिए बाइक से निकले। बाइक आशीष जाधव चला रहा था।

तेज रफ्तार कार ने पहले व्यापारी फिर स्टूडेंट को मारी टक्कर

टीआई के मुताबिक रात करीब 8 बजे दोनों खंडवा-इंदौर हाइवे पर स्थित हरियाली किसान बाजार के पास पहुंचे। वहीं, अग्रवाल ओवरसीज के कैंटीन संचालक योगेंद्र सिंह ठाकुर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान जायलो कार भी खंडवा की ओर आ रही थी।

तेज रफ्तार कार ने पीछे से पहले योगेंद्र सिंह की बाइक को टक्कर मारी। वह बाइक समेत उछलकर गिर पड़े। इसके बाद आशीष जाधव की बाइक को चपेट में ले लिया। दोनों छात्र भी उछलकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गए। हादसे में हिमांशु का सिर में गंभीर चोट लगी। वहीं, आशीष के एक पैर का पंजा चकनाचूर हो गया। तीनों घायलों को राहगीरों ने खंडवा मेडिकल अस्पताल पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने दोनों छात्रों को इंदौर रेफर कर दिया। गंभीर रूप से घायल हिमांशु की गुरुवार सुबह मौत हो गई।

कार का टायर फटा, फिर भी भाग गया

टक्कर के बाद कार का टायर फट गया। बावजूद कार चालक ने गाड़ी की रफ्तार कम नहीं की। वह कार लेकर शहर की तरफ भाग गया। आरटीओ के रिकॉर्ड में कार सौरभ भार्गव के नाम से रजिस्टर्ड है। पुलिस ने किशोर कुमार स्मारक के पास लगे सीसीटीवी फुटेज चेक किए, लेकिन वो बंद मिले। पुलिस कार समेत ड्राइवर की तलाश में जुटी है।

दोनों छात्रों के पिता सरकारी टीचर

मेडिकल कॉलेज अधीक्षक डॉ. रणजीत बडौले के मुताबिक दोनों छात्र 2022 बैच के छात्र हैं। इनमें आशीष खरगोन और हिमांशु डाबरी (भगवानपुरा क्षेत्र) का रहने वाला था। आशीष को आईसीयू में एडमिट किया गया है। यहां उसके पैर की प्लास्टिक सर्जरी होगी। दोनों के पिता सरकारी टीचर हैं। हादसे के बाद मेडिकल कॉलेज और छात्रों के घर मातम है।

सिंग्रामपुर में मोहन यादव कैबिनेट के लिए बनेंगे 3 हेलिपैड

5 अक्टूबर को पहुंचेंगे सीएम-मंत्री, रानी दुर्गावती के किले में पयर्टन बढ़ाने लेंगे फैसले

भोपाल (नप्र)। दमोह जिले के सिंग्रामपुर में 5 अक्टूबर को एमपी कैबिनेट की बैठक होगी। इसके लिए 3 हेलिपैड बनाए जा रहे हैं। पहला हेलिपैड सिंग्रामपुर, दूसरा 9 किमी दूर भैंसाघाट और तीसरा जबेरा में तैयार हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपनी कैबिनेट के साथियों के साथ यहां उतरेंगे। बैठक का उद्देश्य सिंग्रामपुर पंचायत से सटे जंगल और रानी दुर्गावती के किले के पर्यटन महत्व में इजाफा करना है।

बैठक के चलते यहां के जंगली रास्ते को दुरुस्त करने का काम वन विभाग ने शुरू कर दिया है। पिछले एक सप्ताह से पुलिस और प्रशासनिक अफसरों की टीम यहां लगातार आवाजाही कर रही है। अलग-अलग स्थानों पर बैरिकेडिंग की भी प्लानिंग की गई है।

बतौर सीएस अनुराग जैन की पहली कैबिनेट- सिंग्रामपुर की इस कैबिनेट बैठक में नए मुख्य सचिव अनुराग जैन पहली बार कैबिनेट सचिव के रूप में मौजूद रहेंगे। हालांकि, मुख्यमंत्री सचिवालय ने अभी तक बैठक के लिए अधिकृत तौर पर दमोह जिला प्रशासन को सूचना नहीं दी है, लेकिन 24 सितंबर को हुई कैबिनेट बैठक में लिए फैसले के आधार पर सागर संभागायुक्त, आईजी और दमोह कलेक्टर-एसपी यहां विजिट कर व्यवस्था बनाने में जुट गए हैं।

सागर संभाग कमिश्नर डॉ. वीरेंद्र कुमार रावत और आईजी प्रमोद कुमार वर्मा ने संयुक्त रूप से सिंग्रामपुर में कैबिनेट बैठक स्थल, वीरांगना रानी दुर्गावती प्रतिमा स्थल, लाड़ली बहना एवं स्व सहायता समूह कार्यक्रम स्थल के साथ वीरांगना रानी दुर्गावती का किला, तालाब, वीरांगना रानी दुर्गावती के देवी पूजन स्थल के अलावा निदान कुंड स्थल का जायजा लिया है।

सिंग्रामपुर से 4 किमी दूर जंगल में है महल

दमोह से 60 किमी दूर सिंग्रामपुर ग्राम पंचायत है। वहां से 4 किमी दूर पहाड़ी पर रानी दुर्गावती का महल है। उनका पूजा स्थल अभी भी है। यहां जंगल के रास्ते ही पहुंचा जा सकता है। यहीं पर निदान वाटरफॉल है।

दुर्गा अष्टमी के दिन रानी की 500वीं जयंती

रानी दुर्गावती का जन्म उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के कालिंजर किले में सन 1524 में दुर्गाष्टमी के दिन हुआ था। कालिंजर के राजा कीर्ति सिंह चंदेल की इकलौती संतान का नाम दुर्गावती रखा गया था।

दमोह जिले के सिंग्रामपुर के सिंगौरगढ़ में रानी दुर्गावती का किला आज भी है। यह किला रानी की वीरता की कहानियां बताता है। जिले के बटियागढ़ ब्लॉक के आंजनी गांव में रानी की 7वीं पीढ़ी रहती है। इसी साल दुर्गा अष्टमी को उनकी 500वीं जयंती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दैवीय आराधना पर्व नवरात्र प्रारंभ होने पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में शक्ति को नमन और नारी शक्ति का वंदन करते हुए कहा है कि बिटिया, कन्या, बहन और मां हर रूप में नारी, माता के 9 स्वरूपों के समान वंदनीय है। राज्य सरकार नारी को देवी स्वरूप मानकर अपनी योजनाओं के माध्यम से नारी शक्ति का वंदन करती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों के सुखी और समृद्ध होने की कामना की है।

दुर्गा धाम शक्तिपीठ भोपाल में नवरात्रि का शुभारंभ

पहले दिन घट स्थापना के साथ 108 अखंड ज्योति की गई प्रज्वलित

भोपाल (नप्र)। भोपाल के दुर्गा धाम शक्तिपीठ मंदिर में 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2024 तक 9 दिवसीय धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। ये कार्यक्रम मां अशोक विहार सेवा उत्थान उत्सव समिति द्वारा पंडित वेदांत तिवारी और पंडित बाल गोविंद पांडे के नेतृत्व में किया जाएगा। इस वर्ष नवरात्रि के पहले दिन 108 अखंड ज्योति प्रज्वलित की गई।

इस दौरान हर दिन सुबह 7 बजे से 9 माताओं का अलौकिक श्रृंगार, पूजा पाठ और दुर्गा सप्तशती का पाठ होगा।

मंदिर के प्रचार सचिव अनिल ठाकुर ने बताया कि भक्तगण परंपरा के अनुसार अखंड ज्योति प्रज्वलित कर सकते हैं। भक्त 3 किलो शुद्ध घी या ?2100, 3 किलो मूंगफली तेल या 600 में मंत्र उच्चारण कर अखंड ज्योति प्रज्वलित करवा सकते हैं।

इस अवसर पर पप्पू राय, फूलचंद गुप्ता, बीके पांडे, सतनारायण गुप्ता, अवधेश पांडे और नयन ठाकुर की उपस्थिति रहेगी।

मां की गोद से स्लिप हुआ मासूम, मौत

चालक की लापरवाही से हुआ हादसा, ई रिक्शा के अचानक लगा दिए थे ब्रेक

भोपाल (नप्र)। ईंटखेड़ी इलाके में बुधवार की देर रात चलते ई-रिक्शा से गिरने से डेढ़ साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई। चालक द्वारा अचानक ब्रेक लगाने से हादसा हुआ है। गुरुवार को पीएम के बाद पुलिस ने बॉडी परिजनों को सौंप दी है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक विहित अहिरवार का डेढ़ वर्षीय बच्चा हरिकेश था। उनकी पत्नी बच्चे को गोद में लेकर ई रिक्शा में सवार थीं। ईंटखेड़ी इलाके में चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया। इस समय बच्चा मां की गोद में था। ब्रेक लगने के बाद बच्चा स्लिप होकर जमीन पर जा गिरा।

इसके बाद मौके पर मौजूद परिजन उसे लेकर प्राइवेट अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए हमीदिया अस्पताल भेज दिया। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद लापरवाही बरतने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

राजस्व मंत्री ने मंच से किया नायब तहसीलदार को सस्पेंड

सीमांकन नहीं किए जाने की कम्प्लेन पर नाराज मंत्री की कार्रवाई, स्पाट पर सस्पेंड किया

भोपाल (नप्र)। राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने बुधवार को सीहोर जिले के जावर में एक सभा के दौरान राजस्व प्रकरण के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले नायब तहसीलदार को सस्पेंड कर दिया। मंच से संबोधन के दौरान मंत्री वर्मा ने निपानिया के किसान रमेश द्वारा समय सीमा में सीमांकन नहीं किए जाने की शिकायत करने पर नायब तहसीलदार चंचल जैन को निलंबित करने के निर्देश दिए। नाराज मंत्री ने कहा कि 45 दिन में सीमांकन नहीं किया तो इसके लिए तहसीलदार जिम्मेदार हैं। उन्होंने मंच से ही पूछा कौन है निपानिया का तहसीलदार और चंचल जैन द्वारा अपना नाम बताने पर मंत्री ने कहा, उन्हें स्पाट सस्पेंड किया जाता है। उन्होंने कहा कि जो अधिकारी उत्कृष्ट कार्य करेंगे उन्हें सम्मानित किया जाएगा तथा जो अधिकारी-कर्मचारी कार्य में लापरवाही करेंगे उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

मंत्री वर्मा ने कहा कि देश में रहने वाले हर व्यक्ति को अपनी केवल एक ही जाति याद रखनी चाहिए और वह जाति है हिंदुस्तानी। जावर में आयोजित जिला स्तरीय अस्पृश्यता निवारण सदभावना शिविर एवं सहभोज कार्यक्रम में राजस्व मंत्री सिंह वर्मा ने कहा कि एक सभ्य समाज वह होता है जिसमें व्यक्ति के गुणों के आधार पर सम्मान होता है, जाति के आधार पर नहीं। उन्होंने कहा कि आमजन की राजस्व संबंधी कार्यों के निराकरण के लिए प्रदेश में दो बार राजस्व महा अभियान चलाया गया। इसमें आमजन की राजस्व संबंधी कार्यों नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा एवं अन्य राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया गया।

सोयाबीन की फसल सर्वे के निर्देश दिए- उन्होंने कहा कि जिन किसानों की सोयाबीन की फसल बारिश के कारण खराब हुई है उनके सर्वे कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। सर्वे के पश्चात किसानों को फसल बीमा उपलब्ध कराया जाएगा।

उन्होने कहा कि सरकार किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सोयाबीन की फसल खरीदेगी। इसके लिए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि फसल खरीदी के लिए सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली जाएं। इस अवसर पर विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर ने कहा कि सरकार द्वारा पिछड़ी जातियों के लोगों को आगे बढ़ानें के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

अंतरजातीय प्रोत्साहन राशि वितरित- अस्पृश्यता निवारण सद्भावना शिविर एवं सहभोज कार्यक्रम के दौरान राजस्व मंत्री वर्मा ने अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 4 दंपत्तियों को प्रोत्साहन राशि एवं प्रमाण प्रमाण पत्र वितरित किए। अन्तर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत विवाह करने वाले दंपत्तियों को अनुसूचित जाति एवं जनजाति विभाग द्वारा 2 लाख रूपये की राशि प्रदान की जाती है। कार्यक्रम में नए 4 दंपत्तियों को 8 लाख प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने निबंध तथा भाषण प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरित किए।

दो महिला अफसरों ने एक साथ ली रिश्वत

उज्जैन में ऑफिस बुलाकर लिए रुपए, रंगेहाथ पकड़ाई तो सिर पकड़कर रोने लगी

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में दो महिला अधिकारियों ने एक साथ रिश्वत ली। उन्होंने ठेकेदार को ऑफिस बुलाया और रुपए लिए। इस दौरान लोकायुक्त की टीम ने उन्हें रंगेहाथ पकड़ लिया। एक महिला अफसर सिर पकड़कर रोने लगी।

मामला गुरुवार को वाणिज्य कर विभाग का है। लोकायुक्त डीएसपी राजेश पाठक ने बताया कि सहायक ग्रेड-3 किरण जोशी और इंस्पेक्टर विजया भीलाला को गिरफ्तार किया है। महिला अधिकारियों ने जीएसटी (गुड्स एंड सर्विस टैक्स) नंबर देने के बदले ठेकेदार 6000 रुपए की डिमांड की थी।

दोनों अफसर 3500 हजार में राजी हुईं- शहर की महावीर बाग कॉलोनी निवासी दीप सिंह बुनकर ने महिला अधिकारियों के खिलाफ लोकायुक्त में शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि मेरी श्री राधा कॉन्ट्रैक्टर नाम से फर्म है। उज्जैन - बदनावर रोड पर जीआर कंपनी से सीमेंट-गिट्टी का काम ले रखा है। काम पूरा होने पर कंपनी ने जीएसटी नंबर लाने को कहा था। मैंने 23 अगस्त को इसके लिए अप्लाई किया था। दोनों महिला अधिकारी नंबर देने के बदले में 6000 रुपए

रिश्वत की डिमांड कर रही थीं। बाद में दोनों 3500 हजार रुपए में नंबर देने पर राजी हो गईं।

सहायक ग्रेड-3 किरण जोशी (पिंक साड़ी) और इंस्पेक्टर विजया भीलाला (सूट पहने हुए) ने ठेकेदार को रिश्वत की रकम लेकर ऑफिस बुलाया था। रुपए लेते ही लोकायुक्त की टीम पहुंच गई।

ठेकेदार को केबिन में बुलाया, ड्रॉज में रखवाए

घूस की रकम देने के लिए ठेकेदार को महिला अधिकारियों ने सहायक ग्रेड-3 किरण जोशी के केबिन में बुलाया था। ठेकेदार पहुंचे तो यहां दोनों महिला अधिकारी ही थीं। ठेकेदार के रुपए देने पर जोशी ने ड्रॉज में रखने को कहा। इसके थोड़ी देर बाद लोकायुक्त ने दबिश दी।

ठेकेदार बोला-डेढ़ महीने से चक्कर काट रहा हूं...

कॉन्ट्रैक्टर दीप सिंह बुनकर ने बताया कि कंपनी में 2 - 3 महीने से काम अटका हुआ है। जब कंपनी को जीएसटी नंबर दूंगा, तब वो पेमेंट करेगी। डेढ़ महीने पहले अप्लाई किया था। कहा गया था कि 8 से 10 दिन में काम हो जाएगा। 4 - 5 चक्कर काट चुका हूं।